एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की शनिवार देर रात मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई। बांद्रा ईस्ट में उन पर कई राउंड फायरिंग की गई. दो गोलियां लगने के बाद उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां उनकी मौत हो गई।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:161 दिनांक:14-10-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद से सलमान खान की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। बांद्रा स्थित उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, और परिवार ने उनके करीबी दोस्तों से मिलने-जुलने से बचने की अपील की है।

मुंबई के मरीन लाइंस कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक हुआ बाबा सिद्दीकी का शव

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी के शव को रविवार की शाम मुंबई के मरीन लाइंस कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में विभिन्न दलों के प्रमुख नेता, हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे। इससे पहले उनके घर के बाहर जनाजे की नमाज अदा की गई। शनिवार की रात सिद्दीकी पर गोलीबारी की गई थी। जिसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन थोड़ी ही देर में उन्होंने दम तोड़ दिया था। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी के शव को रविवार शाम मुंबई के मरीन लाइंस कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में विभिन्न दलों के प्रमुख नेता, हस्तियां और आम लोग मौजूद रहे। उनके अंतिम संस्कार के दौरान प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और अजित पवार सहित कई एनसीपी नेता मौजूद रहे। बाबा सिद्दीकी का नमाज-ए-जनाजा (अंतिम संस्कार) पाली रोड स्थित मकबा हाइट्स पर हुआ। उन्हें मरीन लाइंस स्टेशन के पास स्थित बड़ा कब्रिस्तान में दफनाया गया। इससे पहले उनके अंतिम दर्शन के लिए उनके घर पर शव रखा गया था, जहां आम लोगों और उन्हें चाहनेवाले एवं समर्थकों को जाने दिया गया।

बाबा सिद्दीकी की हत्या से महाराष्ट्र ही नहीं देशभर के लोग ख़ौफ़ज़दा: केजरीवाल

नयी दिल्ली, (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एनसीपी (अजित गुट) के नेता एवं पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की मुंबई में सरेआम हत्या कर दी गई, उससे ना केवल महाराष्ट्र, बल्कि देशभर के लोग ख़ौफ़ज़दा हैं। केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि दिल्ली में भी कमोबेश यही माहौल बना दिया है इन्होंने ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं। जनता को अब इनके ख़िलाफ़ खड़ा होना ही पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि मुंबई के बांद्रा इलाक़े में शनिवार देर रात हमलावरों ने बाबा सिद्धिकी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस हत्यारों को पकड़ने में जुटी है।

भाईजान की फैमिली ने की दोस्तों और करीबियों से अपील, सलमान से ना मिलें

मुंबई, (ईएमएस)। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बांद्रा में उनके गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। वहीं सलमान खान के परिवार ने उनके इंडस्ट्री में मौजूद कई दोस्तों और करीबियों से अपील की है कि वह सलमान से ना मिलें।

जानकारी के मुताबिक अपने बेहद करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी को खोने के बाद सलमान खान बहुत दुखी हैं। बाबा सिद्दीकी, सलमान खान के लिए सिर्फ दोस्त ही नहीं बल्कि परिवार के सदस्य जैसे थे। हाल ही में जब बाबा सिद्दीकी अपने बेटे जीशान के साथ सलमान खान से मिलने उनके घर पहुंचे थे, तो उनका बहुत प्यार से स्वागत किया गया था। सलमान भी एक सच्चे दोस्त की तरह इस दुखद घटना के बाद परिवार से मिलने पहुंचे।

हालांकि, कल देर रात लीलावती अस्पताल से घर लौटने के बाद सलमान सो नहीं पाए और लगातार जीशान और परिवार का हालचाल पूछते रहे। बाबा सिद्दीकी परिवार के एक करीबी सूत्र ने बताया कि सलमान खान फोन पर अंतिम संस्कार की तैयारियों और हर छोटी-बड़ी जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने अगले कुछ दिनों के लिए अपनी सभी निजी मुलाकातें रद्द कर दी हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान के करीबी परिवार के सदस्य भी इस नुकसान से उतने ही दुखी हैं। अरबाज खान और सोहेल खान भी बाबा के बहुत करीब थे और बाबा के इन आयोजन में अक्सर जाया करते थे।

बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली

सोशल मीडिया पर सलमान की मदद करने वालों को धमकाया, मर्डर में यूपी-हरियाणा के शूटर्स शामिल

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई में एनसीपी (अजित गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। सिद्दीकी इसी साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर अजित पवार के साथ आए थे। हत्या के 28 घंटे बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हत्या की जिम्मेदारी ली। लिखा, सलमान खान और दाऊद की मदद करने वालों को छोड़ेंगे नहीं। इस पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप और अनमोल बिश्नोई को हैशटैग किया गया है। पुलिस इस पोस्ट की जांच कर रही है।

लॉरेंस अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद है। उसने 14 अप्रैल को सलमान के घर के बाहर फायरिंग कराई थी। जेल में लॉरेंस से पूछताछ कराई जाएगी। सलमान खान की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। हरियाणा और यूपी के शूटर्स ने हत्या की। 3 शूटर्स में से 2 को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। एक फरार है। एक शूटर हरियाणा और 2 उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हैं। ये 40 दिन से मुंबई में ही ठहरे थे और सिद्दीकी के घर और बेटे के ऑफिस की रेकी कर रहे थे।

सिद्दीकी को वाय-सिक्योरिटी मिली थी, लेकिन घटना के वक्त उनके साथ कोई कॉन्स्टेबल नहीं था। स्ट्रीट लाइट्स और सीसीटीवी भी बंद थे। बांद्रा के खेर नगर में शनिवार रात करीब 9.30 बजे विधायक बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर 3 बदमाशों ने फायरिंग की थी। सूत्रों के मुताबिक, ऑटो से आए 3 शूटर्स ने 6 बंदूकों से 6 राउंड फायरिंग की। इनमें बाबा को 3 गोलियां लगीं। 2 गोलियां उनके पेट और 1 सीने पर लगी। तीनों ने मुंह पर रूमाल बांधा हुआ था।

6 साल से पुणे में काम कर रहा था शिव, गुरमैल जेल से छूटकर मुंबई गया

मुंबई पुलिस ने कॉन्ट्रैक्ट किलिंग की पुष्टि की है। हत्या में शामिल आरोपियों के नाम शिव, धर्मराज और गुरमैल हैं। शिव और धर्मराज यूपी के बहराइच के रहने वाले हैं, दोनों का कोई पुराना क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं है। गुरमैल हरियाणा का रहने वाला है। धर्मराज और गुरमैल को गिरफ्तार किया गया है। शिव फरार है। बताया जा रहा है कि उसे ही हत्या का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। शिव करीब 5-6 साल से पुणे में स्क्रैप व्यापारी के यहां काम कर रहा था। कुछ महीने पहले उसने धर्मराज को भी पुणे में बुला लिया। हत्या का कॉन्ट्रैक्ट देने वाले व्यक्ति ने शिव, धर्मराज की मुलाकात गुरमैल से कराई थी। गुरमैल कैथल जिले का रहने वाला है। उसने अपने दोस्त के भाई की बर्फ के सुए से 52 वार कर हत्या कर दी थी। जेल में वह गैंगस्टर लॉरेंस के गुर्गों के संपर्क में आ गया। जमानत मिलने के बाद वह मुंबई चला गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लॉरेंस गैंग ने ही उसे मुंबई बुलाया था।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामला : महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

पवार और उद्धव बोले- सरकार को बदलना चाहिए

मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या पर अब राजनीति गर्माने लगी है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने हत्या मामले में जहां महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं तो वहीं नेताद्वय ने इस घटना को लेकर शिंदे सरकार को बदलने की बात तक कह डाली है।

मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने इस हत्या मामले को लेकर सीधे शिंदे सरकार पर हमला बोला है और महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। एनसपी नेता पवार ने कहा है, कि महाराष्ट्र को सबसे अच्छे प्रशासन वाले राज्य के रूप में देश में जाना जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार अच्छा प्रबंधन नहीं कर पा रही है। पिछली तीन कैबिनेट में जो फैसले लिए गए, अगर उन्हें ही देख लें तो आखिर कितने फैसलों पर अमल किया जा सका है? इसी से महाराष्ट्र के प्रशासन की स्थिति आज आपको समझ में आ जाएगी। वहीं उद्धव ठाकरे ने शिंदे सरकार पर निशाना साधा और कहा, कि कल ही मैंने रैली में कहा था कि इस विधानसभा चुनाव में मौजूदा भ्रष्ट सरकार को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि मुंबई में दो पुलिस कमिश्नर हैं तो कम से कम मुंबई को सुरक्षित भी रखें। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस का क्या काम है? उन्होंने कहा कि इस मामले में गृहमंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

इस मामले को लेकर देवेंद्र फड़णवीस ने बयान दिया है और कहा है कि यदि गाड़ी के नीचे कुत्ता आ जाए तो आप मुझसे इस्तीफा मांगने लगेंगे, ऐसे लोग सत्ता पर कैसे हो सकते हैं? उन्होंने कहा कि विज्ञापन पर खर्च होने वाला धन लोगों की भलाई के लिए खर्च किया जाना चाहिए। अब चूंकि महाराष्ट्र में अनकरीब विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, अतः शिंदे सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना भी लाजमी है।

कर्नाटक सरकार ने 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस पर कन्नड़ झंडा फहराना किया अनिवार्य, कन्नड़ सीखने का कहा

बेंगलुरू (ईएमएस)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य के स्थापना दिवस पर बेंगलुरु में सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र समेत सभी शिक्षण संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और कारखानों में कन्नड़ ध्वज जरूर फहराया जाए। उन्होंने कहा कि शहर और बेंगलुरू शहरी जिले में रहने वाले लगभग 50 प्रतिशत लोग अन्य राज्यों से हैं। उन्हें भी कन्नड़ सीखने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

शिवकुमार ने कहा, 'हम मैसूर राज्य का नाम बदलकर कर्नाटक किए जाने के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। 1 नवंबर कन्नड़ लोगों के लिए उत्सव का दिन है। बेंगलुरू के प्रभारी मंत्री के तौर पर मैंने एक नया कार्यक्रम तैयार किया है, जिसके तहत सभी स्कूलों और कॉलेजों, कारखानों, आईटी-बीटी क्षेत्र सहित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से कन्नड़ ध्वज फहराया जाना चाहिए।' उन्होंने बताया कि इस संबंध में आदेश जारी किया जाएगा।

अनौपचारिक लेकिन व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त पीले व लाल 'कन्नड़ ध्वज' को 1960 के दशक में वीर सेनानी मा राममूर्ति ने डिजाइन किया था। शिवकुमार ने कहा, 'राज्योत्सव का सरकारी समारोह एक स्थान पर आयोजित किया जाएगा, लेकिन निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में भी अनिवार्य रूप से समारोह आयोजित किए जाने चाहिए।' शिवकुमार ने कहा कि हर किसी को यह महसूस करना चाहिए कि कर्नाटक में कन्नड़ जाने बिना नहीं रहा जा सकता। उन्होंने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में एक नवंबर को कन्नड़ ध्वज फहराने के साथ स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस की तर्ज पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने चाहिए।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकारी आदेश का पालन न करने वालों को दंडित किया जाएगा, उन्होंने कहा, 'मैं सभी को सूचित कर रहा हूं कि इस कन्नड़ भूमि पर, कन्नड़ सीखना उनका कर्तव्य है। हमने स्कूलों में कन्नड़ विषय को अनिवार्य कर दिया है। कन्नड़ ध्वज फहराने के ऐसे कार्यक्रम गांवों में आयोजित किए जाते हैं, लेकिन बेंगलुरु शहर में प्रभारी मंत्री के रूप में मैं इसे अनिवार्य बना रहा हूं।'

शिवकुमार ने कन्नड़ समर्थक संगठनों को चेतावनी दी कि अगर वे संस्थाओं या व्यवसायों पर यह कदम थोपने की कोशिश करेंगे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर में बिना ड्राइवर के सड़क पर दौड़ी जलती कार

जयपुर (ईएमएस)। जयपुर में बिना ड्राइवर के आग से घिरी एमजी हेक्टर कार सड़क पर दौड़ी। कार ने बाइक को टक्कर मार दी। लोग अपनी गाड़ियों को बचाते नजर आए। आखिरकार कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई। यह घटना एलिवेटेड रोड पर अजमेर से सोडाला की ओर उतरते समय की है। कार जितेंद्र जांगिड़ चला रहा था। जो मानसरोवर की पत्रकार कॉलोनी स्थित दिव्य दर्शन अपार्टमेंट में रहता है।

जितेंद्र ने साल 2021 में कार खरीदी थी। जितेंद्र ने बताया ?कि करीब 1.45 बजे एलिवेटेड रोड से उतरने के दौरान एसी से धुआं उठने लगा था। भाई को कॉल किया तो उसने कार का बोनट खोलकर देखने के लिए कहा। कार से नीचे उतरकर बोनट खोलकर देखा तो आग लग रही थी। इस दौरान लोग इकट्ठा हो गए। मैंने ऑटोमैटिक कार को साइड में रोककर हैंड ब्रेक लगा दिया और मेटिंग हटाई। चारों खिड़कियां खोलकर नीचे उतरा तब तक बोनट से आग भभक उठी। आस-पास लोग इकट्ठा हो गए। इस बीच किसी ने फायर बिग्रेड को सूचना दे दी। आग से वायरिंग जलकर खाक हो गई, जिससे ऑटो हैंड ब्रेक फेल हो गए। कार का एक टायर भी फूट गया। लोगों ने कार की आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि आग तेजी से बढ़ गई।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामला : महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

पवार और उद्धव बोले- सरकार को बदलना चाहिए

मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या पर अब राजनीति गर्माने लगी है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने हत्या मामले में जहां महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं तो वहीं नेताद्वय ने इस घटना को लेकर शिंदे सरकार को बदलने की बात तक कह डाली है।

मुंबई में एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने इस हत्या मामले को लेकर सीधे शिंदे सरकार पर हमला बोला है और महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। एनसपी नेता पवार ने कहा है, कि महाराष्ट्र को सबसे अच्छे प्रशासन वाले राज्य के रूप में देश में जाना जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार अच्छा प्रबंधन नहीं कर पा रही है। पिछली तीन कैबिनेट में जो फैसले लिए गए, अगर उन्हें ही देख लें तो आखिर कितने फैसलों पर अमल किया जा सका है? इसी से महाराष्ट्र के प्रशासन की स्थिति आज आपको समझ में आ जाएगी। वहीं उद्धव ठाकरे ने शिंदे सरकार पर निशाना साधा और कहा, कि कल ही मैंने रैली में कहा था कि इस विधानसभा चुनाव में मौजूदा भ्रष्ट सरकार को बदलना होगा। उन्होंने कहा कि मुंबई में दो पुलिस कमिश्नर हैं तो कम से कम मुंबई को सुरक्षित भी रखें। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस का क्या काम है? उन्होंने कहा कि इस मामले में गृहमंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

इस मामले को लेकर देवेंद्र फड़णवीस ने बयान दिया है और कहा है कि यदि गाड़ी के नीचे कुत्ता आ जाए तो आप मुझसे इस्तीफा मांगने लगेंगे, ऐसे लोग सत्ता पर कैसे हो सकते हैं? उन्होंने कहा कि विज्ञापन पर खर्च होने वाला धन लोगों की भलाई के लिए खर्च किया जाना चाहिए। अब चूंकि महाराष्ट्र में अनकरीब विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, अतः शिंदे सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना भी लाजमी है।

अमूल के हवाले काशी विश्वनाथ का प्रसादम

वाराणसी(ईएमएस)। काशी विश्वनाथ में महाप्रसादम् की व्यवस्था बदल दी गई। अब गुजरात की कंपनी अमूल महाप्रसादम् तैयार करेगी। मंदिर प्रशासन के अचानक लिए गए फैसले के बाद 5 साल से प्रसाद तैयार करने वाले कारीगर बेरोजगार हो गए हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास (प्रबंधन) ने यहां महा प्रसाद यानी लड्डू-पेड़ा तैयार करने की जिम्मेदारी 2 संस्थाओं को दी है। इसमें पहली और प्रमुख संस्था महालक्ष्मी ट्रेडर्स है। दूसरी संस्था बेला पापड़ स्वयं सहायता समूह है।

ज्ञानव्यापी-लार्ड विश्वेश्वरनाथ मामले में 16 अक्टूबर को सुनवाई

- एएसआई अतिरिक्त सर्वे पर पेश होनी थी दलील, मुस्लिम पक्ष ने दर्ज करा चुका आपत्ति

वाराणसी (ईएमएस)। वाराणसी के ज्ञानव्यापी से जुड़े 1991 के मूल वाद में गुरुवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन/फास्ट ट्रैक कोर्ट युगल शंभू की अदालत में 16 अक्टूबर को सुनवाई होगी। लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी द्वारा सम्पूर्ण परिसर में एएसआई के अतिरिक्त सर्वे की मांग की याचिका पर 8 अक्टूबर को मुस्लिम पक्ष ने अपनी आपत्ति दाखिल की थी। विजय शंकर रस्तोगी की याचिक पर अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ताओं ने कोर्ट में अपनी बहस पूरी कर ली है। मसाजिद कमेटी के वकील ने कोर्ट में बताया था कि ज्ञानव्यापी स्थित वजूखाना सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सील है। हाईकोर्ट में एएसआई ने शपथ पत्र देकर कहा था कि वो परिसर में खोदाई करके मौजूदा ढांचें को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

एथलीट हिमा डोपिंग अरोपों से मुक्त हुईं

नई दिल्ली (ईएमएस)। एथलीट हिमा दास को डोपिंग मामले में राहत मिली है। डोपिंग रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ने हिमा को डोपिंग के आरोंपों से मुक्त कर दिया है। हिमा पर एक साल में तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण साल 2023 में डोपिंग के हिमा दास को नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल यानी एडीएपी से मंजूरी मिल गई है। अब हिमा सभी मुकाबलों में भाग लें सकेंगी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। वह जकार्ता में स्वर्ण और रजत जीतने वाली महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर और मिश्रित 4 गुण 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थीं। इस धाविका को इस वर्ष की शुरुआत में लगी चोट के कारण पिछले वर्ष हांग्जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) के नियमों के अनुसार, 12 महीनों के भीतर तीन बार ठहरने की जगह की जानकारी न देने पर आरोपी ठहराया गया था। नाडा नियमों के अनुसार पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल एथलीटों को अपने रात्रि विश्राम स्थान का पूरा पता, प्रत्येक स्थान का नाम और पूरा पता, जहां वे प्रशिक्षण, कार्य या अन्य नियमित अनुसूचित गतिविधियां करते हैं, तथा प्रत्येक गतिविधि की सामान्य समय-सीमा भी बतानी होती है।

रावण दहन करते समय हुआ बैकफायर, सांसद पप्पू यादव के पेट में घुसा रॉकेट

पूर्णिया,(ईएमएस)। बिहार के पूर्णिया में दशहरे पर रावण दहन के दौरान एक हादसा हो गया जिसमें पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव विजयादशमी पर रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। रावण दहन के लिए पप्पू यादव ने जैसे ही पटाखे में आग लगाई तो रॉकेट से बैकफायर हुआ और उनके पेट में घुस गया, जिससे पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। वह बाल-बाल बच गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ, लेकिन पप्पू यादव की शर्ट में आग लग गई। इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था।

इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पप्पू यादव के हाथ में पटाखा जलता हुआ देखा जा सकता है। उनके साथ पुलिस अधिकारी भी पटाखे को हाथ में पकड़े हैं तभी अचानक वह रॉकेट से बैकफायर हो जाता है और पप्पू यादव के पेट पर जाकर लगता है और उनकी शर्ट में आग लग जाती है। इस दौरान लोग पप्पू यादव को बचाने की कोशिश करते हैं। उनकी आंखों को हाथों से ढंकते हैं। हालांकि पप्पू यादव उस पटाखे को छोड़ते नहीं हैं। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई हो रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पूर्व सांसद नवनीत को गैंगरेप की धमकी

अमरावती (ईएमएस)। महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा को धमकी भरा लेटर मिला है। लेटर में नवनीत को गैंगरेप की धमकी दी गई है। साथ ही कहा कि उनके घर के सामने गाय को काटा जाएगा। पत्र भेजने वाले ने खुद का नाम आमिर बताया है। उसने 10 करोड़ की फिरौती भी मांगी है।

हरियाणा ने दी राहतः अब सरकारी नौकरी जॉइन करने के लिए चरित्र और मेडिकल सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी

चंडीगढ़(ईएमएस)। सरकारी नौकरी ज्वाइन करने के लिए युवाओं को चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल सर्टिफिकेट देना होता था। जिसके लिए युवओं को काफी दिक्कतें होती थी। अब हरियाणा सरकार ने बड़ी राहत देते हुए ये बाध्यता खत्म कर दी है। लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप ए, बी, सी व डी के चयनित युवाओं को राहत दी है। हालांकि उम्मीदवारों को नियुक्ति की तारीख से तीन महीने के अंदर चरित्र सत्यापन और दो महीने के भीतर मेडिकल सर्टिफिकेट जमा कराना होगा। इस संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को पत्र जारी किया है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से एक पत्र सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को लिखा गया है। सरकार के निर्देशों में निहित प्रावधान नव चयनित उम्मीदवारों को उनके चरित्र और पूर्व जीवन के सत्यापन के बिना सरकारी नौकरियों में शामिल होने की अनुमति नहीं देते हैं। उम्मीदवारों के चरित्र और पूर्व जीवन के बारे में सत्यापन के कार्य में बहुत समय लगता है इसलिए सरकार ने नियुक्तियों में चरित्र सत्यापन और मैडीकल सर्टीफिकेट में छूट देने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार, उम्मीदवारों को प्रोविजनल नियुक्ति की तिथि से 2 महीने के अंदर-अंदर मैडीकल सर्टीफिकेट प्रस्तुत करना होगा।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में युवाओं के लिए सरकारी पदों पर बंपर भर्ती खोली गई थी। चुनावों में ऐतिहासिक जीत मिलने के बाद अब भाजपा युवाओं से किए वादे को पूरा करने के प्रयास में है। यही कारण है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग अब जल्द ही ग्रुप सी/डी के परीक्षा परिणाम घोषित करेगा। हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चुनाव से पहले ही वादा किया था कि उनके शपथ ग्रहण से पहले ही 24 हजार पदों का रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर 16 अगस्त को लगी आचार संहिता 56 दिनों के बाद हट गई है।

10 साल जेल में रहे पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा का निधन

हैदराबाद(ईएमएस)। नक्सलियों से संबंधों के चलते वे 10 साल जेल में रहने के बाद मार्च 2024 में बरी हुए डीयू के पूर्व प्रोफेसर जी एन साईबाबा का शनिवार को निधन हो गया। उन्हें गॉल ब्लैडर में इन्फेक्शन था। शनिवार रात उन्हें हार्ट अटैक भी आया, जिसके बाद उन्होंने दम तोड़ा। साईबाबा के भाई रामदेव ने कहा- हैदाराबाद में डॉक्टरों ने रात 8:36 बजे उन्हें मृत घोषित किया। वे एक साथ कई बीमारियों से ग्रसित थे। 5 दिन पहले उनकी गॉल ब्लैडर की सर्जरी हुई थी। इसके बाद वे ठीक हो रहे थे।नक्सलियों से कथित संबंध रखने के शक में 2014 में वे गिरफ्तार हुए थे। महाराष्ट्र की गढ़चिरौली कोर्ट ने मार्च 2017 में साईबाबा को दोषी ठहराया था। 5 मार्च को बॉम्बे हाईकोर्ट ने साईबाबा और 5 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने उनकी उम्रकैद की सजा रद्द कर दी है। उन्हें दोषसिद्धि के खिलाफ अपील करने की इजाजत भी दी गई है। मार्च 2024 में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने उन्हें रिहा कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष उनपर लगे आरोपों को सिद्ध नहीं कर पाया है। इसलिए उनकी उम्रकैद की सजा नहीं दी जा सकती है। जेल से बाहर आने के बाद साईबाबा ने कहा था कि वे बहुत बीमार हैं। वे इलाज करवाने के बाद ही बोलने लायक हो पाएंगे।

दशहरा मेला देखने गई महिला से छेड़छाड़, मारपीट में गर्भवती महिला समेत 9 घायल

पटना,(ईएमएस)। बिहार के विकास नगर में महिला से छेड़खानी को लेकर बवाल हो गया। दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मारपीट में दोनों पक्ष के नो लोग घायल हो गए हैं। घायलों में एक गर्भवती महिला भी है। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि चोन्दी मोहल्ले में पति के साथ किराए के घर में रहती है। दशहरे यानी विजयदशमी के दिन पति, बच्चों और परिजनों के साथ मेला देखने पंचशील नगर आई थी। घर लौटते समय तीन लोगों ने उसके साथ छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर पति के साथ मारपीट करने लगे। मेरा मायके भी पास में ही था। बच्चों ने घटना की सूचना परिजनों को दी, जिसके बाद सभी मौके पर पहुंच गए। पीड़िता के भाई ने बताया कि जब हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे तो 10 से 12 लोग मेरे बहनोई के साथ मारपीट कर रहे थे। हम लोगों से मारपीट करने लगे। मारपीट में अक्षय कुमार, गौरव कुमार, सौरव कुमार, राहुल कुमार, मिथुन कुमार घायल हो हुए हैं।

वहीं, दूसरे पक्ष के बिट्टू ने बताया कि वह आपस में बातचीत कर रहे थे। महिला को लगा को उसके बारे में बात कर रहे हैं। इस बीच अचानक महिला के समर्थन में कुछ लोग वहां आ गए और मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव में कुसुम देवी, शर्मीला देवी, सुशीला देवी और पम्मी कुमारी घायल हो गईं। पम्मी गर्भवती है, उसे भी नहीं छोड़ा। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में मौजूद बाढ़ थाना के एएसआई धर्मेंद्र कुमार ने इस मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

एमडी ड्रग्स का कारखाना संचालित करने वाले आरोपियों से एनसीबी की पूछताछ में खुलासा

राजस्थान, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भेजी जा रही थी एमडी ड्रग्स

भोपाल(ईएमएस)। राजधानी भोपाल के बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र में बंद पड़ी फर्नीचर फैक्ट्री में अवैध रूप से एमडी ड्रग्स बनाने वाले तस्करों के तार देश के आधा दर्जन राज्यों के बड़े तस्करों से जुड़े हैं। मंदसौर के रहने वाले हरीश आंजना का राजस्थान निवासी दोस्त शोएब लाला ने प्रतापगढ़ जिले में सप्लाई का सेंटर बना रखा था। दो खेप माल भोपाल की फैक्ट्री में तैयार होगर प्रेमसुख पाटीदार के जरिए शोएब लाला तक हरीश आंजना पहुंचा भी चुका था। शोएब लाला प्रतापढ़ में बनाए गए सप्लाई सेंटर से देश के अन्य राज्यों में एमडी ड्रग्स की तस्करी करता था। यह खुलासा मंदसौर पुलिस की गिरफ्त में आए प्रेमसुख पाटीदार ने पूछताछ में किया है।

इस खुलासे के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो देशभर में ड्रग तस्करी के इस नेटवर्क के खिलाफ एक साथ छापेमारी की तैयारी में है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, राजस्थान और अन्य राज्यों में फैले इस तस्कर गिरोह की लिंक को ध्वस्त करने के लिए एनसीबी बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। हालांकि, यह कार्रवाई इतनी गोपनीय होगी कि किसी को भनक नहीं लगेगी। सान्याल बाने, अमित चतुर्वेदी ड्रग्स बनाने के बाद हरीश आंजना के जरिए ही खपाते थे। ड्रग्स खपाने की जिम्मेदारी हरीश आंजना की थी। वह प्रेमसुख पाटीदार और शोएब बाला जैसे दर्जन भर से अधिक बड़े तस्करों से सीधे संपर्क में था। यह गिरोह राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच बड़ा कारोबार करता था। एमडी ड्रग बनाने के लिए कच्चे सामान की खरीदी भी इन्हीं के बीच होती थी।

एमडी ड्रग्स का कारखाना संचालित करने वाले आरोपियों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की पूछताछ में खुलासा होने के बाद इस कार्रवाई में राजस्थान पुलिस को भी शामिल किया जा रहा है। राज्य की इंटेलीजेंस को तस्करों के खिलाफ पुख्ता जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, तस्कर गिरोह से जुड़े लोगों को सर्विलांस पर रखा गया है, उनकी मिनट-टू-मिनट वॉचिंग हो रही है।

शोएब लाला की तलाश में एनसीबी

आरोपियों से अब तक की पूछताछ में सामने आया है कि शोएब लाला के पूरे राजस्थान में संपर्क हैं। वह राजस्थान और दूसरे राज्यों में तस्करों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। एनसीबी अब शोएब लाला की तलाश कर रही है, लेकिन वह फरार है। शोएब लाल के मुंबई, दिल्ली और पंजाब में जड़े जमा चुके अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों से संबंध होने की आशंका भी जताई जा रही है। एनसीबी इस दिशा में भी जांच कर रही है।

हरियाणा ने दी राहतः अब सरकारी नौकरी जॉइन करने के लिए चरित्र और मेडिकल सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी

चंडीगढ़(ईएमएस)। सरकारी नौकरी ज्वाइन करने के लिए युवाओं को चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल सर्टिफिकेट देना होता था। जिसके लिए युवओं को काफी दिक्कतें होती थी। अब हरियाणा सरकार ने बड़ी राहत देते हुए ये बाध्यता खत्म कर दी है। लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप ए, बी, सी व डी के चयनित युवाओं को राहत दी है। हालांकि उम्मीदवारों को नियुक्ति की तारीख से तीन महीने के अंदर चरित्र सत्यापन और दो महीने के भीतर मेडिकल सर्टिफिकेट जमा कराना होगा। इस संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को पत्र जारी किया है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से एक पत्र सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को लिखा गया है। सरकार के निर्देशों में निहित प्रावधान नव चयनित उम्मीदवारों को उनके चरित्र और पूर्व जीवन के सत्यापन के बिना सरकारी नौकरियों में शामिल होने की अनुमति नहीं देते हैं। उम्मीदवारों के चरित्र और पूर्व जीवन के बारे में सत्यापन के कार्य में बहुत समय लगता है इसलिए सरकार ने नियुक्तियों में चरित्र सत्यापन और मैडीकल सर्टीफिकेट में छूट देने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के अनुसार, उम्मीदवारों को प्रोविजनल नियुक्ति की तिथि से 2 महीने के अंदर-अंदर मैडीकल सर्टीफिकेट प्रस्तुत करना होगा।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में युवाओं के लिए सरकारी पदों पर बंपर भर्ती खोली गई थी। चुनावों में ऐतिहासिक जीत मिलने के बाद अब भाजपा युवाओं से किए वादे को पूरा करने के प्रयास में है। यही कारण है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग अब जल्द ही ग्रुप सी/डी के परीक्षा परिणाम घोषित करेगा। हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चुनाव से पहले ही वादा किया था कि उनके शपथ ग्रहण से पहले ही 24 हजार पदों का रिजल्ट घोषित कर दिया जाएगा। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर 16 अगस्त को लगी आचार संहिता 56 दिनों के बाद हट गई है।

जन हितैषी

सरकार बेरोजगारों को लाभार्थी नहीं, कामार्थी बनाए

भारत में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। पिछले तीन दशक में डिग्री से नौकरी और रोजगार की परिकल्पना का तेजी के साथ विस्तार हुआ। वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत में उधार के धन का प्रवाह बढ़ा है। पिछले 30 वर्षों में दुनिया के सभी देशों की आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ीं हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में सारी दुनिया एक तरह से सोचने लगी। आर्थिक एवं सामाजिक विकास को लेकर सारी दुनिया में एकरूपता आई। औद्योगिक विकास को ही सबसे बड़ा विकास मान लिया गया। भौतिक आवश्यकताओं का एक नया पैमाना विकसित हुआ। डिग्री के आधार पर नौकरी और रोजगार के सृजन को मान लिया गया। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो गया। किताबी ज्ञान कभी वास्तविक ज्ञान का स्वरूप नहीं ले सकता है। किताबी ज्ञान की डिग्री कभी कोई काम नहीं आ सकती है। करोड़ों डिग्री धारी युवाओं को वर्षों से रोजगार नहीं मिल रहा है। बड़ी-बड़ी डिग्रियां होने के बाद भी उन्हें 10 से 15000 रुपए की नौकरी नहीं मिल पा रही है। जिसके कारण अब युवाओं में उच्च शिक्षा और डिग्रियों के प्रति अरुचि दिखने लगी है। औद्योगिक क्रांति से मशीनों को तो काम मिल सकता है, लेकिन आबादी को काम नहीं मिल पाता है। पिछले 20 वर्षों में बैंकिंग सेक्टर काफी तेजी के साथ आगे बढ़ा। बैंकों में उपभोक्ताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई। बैंकों की कमाई कई गुना बढ़ गई। लेकिन बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाले लोगों की संख्या घटती चली गई। यही हाल रेलवे का है। यही हाल गवर्नमेंट सेक्टर का है। उद्योग और व्यापार में जिस तरह से कॉरपोरेट कंपनियों ने अपना एकाधिकार बनाते हुए स्थानीय रोजगारों को समाप्त करने का काम किया है। पूंजी का प्रवाह कुछ बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों तक सीमित होकर रह गया, जिसके कारण मध्यवर्ग और निम्न वर्ग की बचत खत्म हो गई। निम्न और मध्यम वर्ग पर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा। देश में डिग्री लेकर नौकरी की मांग करने वाले युवाओं की संख्या साल दर साल बढ़ती चली गई। जो स्थानीय रोजगार और धंधे थे, वह पूरी तरह समाप्त होते चले गए। भारत में इस समय आबादी 140 करोड़ से ज्यादा हो गई है। 30 करोड़ से ज्यादा उच्च शिक्षित पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार हैं। इन्हें बाबू और चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल पा रही है। पिछले वर्षों में रोजगार के अवसर स्थानीय आधार पर उपलब्ध थे आर्थिक विकास के नाम से वह छीन लिए गए हैं। सभी रोजगार व्यवसाय और उद्योग में कॉर्पोरेट का कब्जा हो गया है। जिसके कारण बेरोजगारी की समस्या दिन- प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए बेरोजगारों को लाभार्थी बनाने के लिए सरकार प्रतिमाह कुछ राशि देकर बेरोजगार युवाओं के गुस्से को शांत करना चाहती है। बेरोजगार युवाओं को सरकारी सहायता पर निर्भरता बढाई जा रही है। यह स्थिति आर्थिक, सामाजिक विकास की दृष्टि से भविष्य में बहुत नुकसान पहुंचाने वाली साबित होगी। भारत की युवा आबादी ने भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में अपने ज्ञान और मेहनत के बल पर एक अलग जगह बनाई है। अब डिग्रियां होते हुए भी नौकरी या काम नहीं मिलने के कारण भारतीय युवा निराश और हताश है। हरियाणा पंजाब तमिलनाडु केरल और गुजरात जैसे राज्यों से युवा चोरी-छिपे रोजगार की तलाश में अवैध रूप से विदेशों में जा रहे हैं। इजराइल जैसे युद्धग्रस्त देश में भी मजदूरी करने के लिए तैयार हैं। युवाओं को भारत में रोजगार उपलब्ध नहीं हो रहा है। बाहर के देशों में भी अनुभव नहीं होने के कारण काम नहीं मिल रहा है। 1970 के बाद बड़ी तेजी के साथ देश में लघु एवं मध्यम उद्योग विकसित हुए थे। जिस तरह का सामाजिक और आर्थिक ढांचा स्थानीय रोजगार पर आधारित था, पिछले 10 वर्षों में रिटेल सेक्टर में कारपोरेट कंपनियों का कब्जा हो जाने से वह पूरी तरह से टूट गया है। युवाओं के पास डिग्री है। उनके पास नौकरी और रोजगार के अवसर नहीं हैं। नौकरी और रोजगार के लिए जो ज्ञान आवश्यक है, वह उन्हें पढ़ाई के दौरान नहीं मिला। पिछले 30 वर्षों में जिस तरह से विदेशी पूंजी भारत में आई है। हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी कंपनियों का एकाधिकार होता चला गया। हर क्षेत्र में मशीनों और ऑनलाइन सर्विस की बाढ़ आ गई है। उसके कारण युवाओं को नौकरी और रोजगार के कोई अवसर नहीं मिल रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार और नौकरी के अवसर बढ़ाने होंगे। कृषि क्षेत्र लघु एवं मध्यम उद्योगों को पुनर्स्थापित करने की नीतियां बनानी होंगी। मिडिल और हाई स्कूल की पढ़ाई के साथ उन्हें विभिन्न कामों का प्रशिक्षण पढ़ाई के साथ मिल सके। जो उन्हें रोजगार उपलब्ध करा सके। मिडिल और हाईस्कूल की शिक्षा में हिंदी-अंग्रेजी भाषा का ज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार माध्यमों का उपयोग करने की शिक्षा, हाई स्कूल की पढ़ाई के दौरान मिले, इसकी व्यवस्था करनी होगी। स्थानीय स्तर पर नौकरी और रोजगार के अवसर पैदा हों, ऐसा हुआ तो भारत के युवाओं को भारत के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार के बहुत सारे अवसर उपलब्ध होंगे। हर काम के लिए अनुभव जरूरी है। किताबी ज्ञान से कुछ हासिल नहीं हो सकता है। लंबे समय तक सरकारी सहायता भी देना संभव नहीं होता है। आत्मनिर्भरता के लिए हर व्यक्ति को लाभार्थी नहीं कामार्थी बनाने की जरूरत है। हर व्यक्ति में विशेष योग्यता होती है। हर व्यक्ति की सोच अलग होती है। हर व्यक्ति का ज्ञान भी अलग होता है। हर व्यक्ति की रुचि भी अलग होती है। जब विविधता के साथ ज्ञान होगा, तभी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सामाजिक व्यवस्था में विविधता होती है। चीन की बढी हुई आबादी में प्रतिस्पर्धा कामगारों के बीच में उत्पन्न की गईं थी। उत्पादन से आर्थिक आधार को जोड़ा गया था। उसके कारण चीन का उद्योग और व्यापार सारी दुनिया में फैल गया। भारत सरकार को भी इस दिशा में गंभीरता के साथ विचार करने की जरूरत है। वर्तमान स्थिति में लापरवाही बरती गई, तो आने वाले समय में स्थिति विस्फोटक हो सकती है।

रामलीला का बदलता स्वरूप समाज के लिए खतरा

- आप में से यहाँ कोई राम है?

दिल्लीवासियों का सम्बन्ध राम लीलाओं से काफी ही पुराना है। जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का ऐतिहासिक। रामलीला मैदान है। जिसके जुड़ी हुई कुछ किस्से आज भी सुनने को मिलती रहती है। पिछले दिनों दिल्ली व एन सी आर राम भक्तों व रामलीलाओं मंचन व जयश्री राम व हर हर महादेव के नारे से पुरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दिल्ली व एन सी आर वाले शाम होते हीअपने परिवार के सदस्यो के संग रामलीला का आनंद लेने घर से निकल पड़ते थे। मुझे भी कुछ रामलीलाओं को अवलोकन का सुअवसर मिला। इस दौरान मुझे एक जिज्ञासु व दर्शक की पैनी नजर से रामायण के कई पात्रओ के बारे में बारीकी से जानने का अवसर मिला। रामलीलाओं स्थलों व मंचों के कई क्षण व दृश्य ऐसे आयें जिसने मुझे ना प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने को मजबूर कर दिया। इन में दो उल्लेखनीय पहलू है। रामलीला कर राम -रावण युद्ध का प्रसंग। आप को बता दें राम - रावण का युद्ध काफी ही शिक्षाप्रद व रोचक है। आज रामलीलाओं में मर चुका है रावण का शरीर,सुनसान है किले का परकोटा,चारो दिशाओं में उदासी पसरी है,किसी के घर में नही जल रहा दीया। विभीषण के घर छोड़ कर सागर के तट पर बैठ है विजय श्री राम। विभीषण को लंका का राज्य पाठ सौंपते हुए ताकि सुबह हो सके निंविघ्न राज्याभिषेक,स्वयं राम लक्ष्मण से पुछते अपने सहयोगियों के कुशल क्षेम,चरणो में हनुमान बैठे। लक्ष्मण मन से क्षुब्द है। भ्राताश्री राम सीता माता को अशोक बाटिका मे क्यों नही लेने जाते है।

विभीषण का राज्याभिषेक हो गया है। लंका में राम प्रवेश कर एक भव्य भवन पहुंच गये है। हनुमान को अशोक वाटिका में संदेश देने भेजते है कि रावण मारा गया है और अब विभीषण लंकापति है। हनुमान का यह संदेश सुनकर माँसीता खामोश है,निहारती है उस रास्ते को। उनके मन में प्रश्न उठते है कि रावण का वध करते ही वनवासी राम,राजा राम बन गये क्या। लंका पहुंच कर वे क्यूं नही जानना चाहते है,एक वर्ष कहाँ रही सीता,कैसे रही उनकी सीता। मॉ सीता के नयनों से अविरल बहते हुए अश्रुधार। ना राम भक्त हनुमान नही समझ पाते, ना रामायण के रचयिता बाल्मिकी कह नही पाते है। माँ सीता आज सोचती है कि अगर राम आते मै उन्हें यहाँ के परिचायिकाओं से, जिन्होने रावण के आदेश पर मुझे भयभीत तो किया,लेकिन नारी के पूर्ण गरिमा प्रदान की,वे रावण की अनुचरी थी लेकिन मेरे लिए माताओं के समान थी। अगर स्वयं राम आते यहाँ मै उन्हें इसे मिलवाते,यहाँ के अशोक के वृक्षों से जिन्होंने मुझे अपने विश्वास पर अड़े की आपर शक्ति देती रही,यहाँ की पुष्प व लताओं से जिन्होनें उनकी सीता कीआँसुओं को ओंस के कणों की तरह सहेज कर रखा। लेकिन वे अब तो वे राजा राम है कैसे आते अपनी सीता को लेने के लिए। देखते देखते कई पहर बीत गए,लंकापति विभीषण के नेतृत्व में माता सीता जी का श्रंगार की गई। भव्य पालकी मे बैठी हुई माँ सीता आज मन मन सोच रही है कि राजा जनक जी ने उन्हें इसी तरह से घर से विदा किया था। तभी वातावरण में स्वर गुंजता है कि सीता को मेरे पास पैदलआने दो। भुमि सुता माँ सीता जमीन पर कॉपती हुई चलते मन में ज्वलंत प्रशन उठते है कि मैंने स्वयंवर में जिसका वरण किया था क्या ये वही है यह पुरुष,जिसके प्रेम में अयोध्या का महल छोड़ कर उनके संग वन वन भटकी थी। हाँ रावण नें गोद मे उठाया था। मुझसे क्या था प्रणय निवेदन वह स्वयं में राजा था,चाहता तो बल पूर्वक ले जाता राजमहल में,लैकिन उसने मेरे स्त्रीत्व का अपमान कभी नही किया। रावण के विषय में सही जानकारी से आज बहुत लोग अपरिचित है। रावण कौन था,क्या रामायण का एक पात्र मात्र था आपके मन में भी कुछ ऐसे सवाल होंगे तो मै बता दूँ कि रावण एक महाज्ञानी,महा पराक्रमी और महाबलशाली था। रावण चारों वेदों का जानकार था। वह धरती पर मौजूद सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक था। हालांकि उसके अहंकार के कारण उसका अंत हुआ। रावण भगवान शिव का परम भक्त था और उसे यह वरदान था कि कोई भी देवी-देवता का उसका अंत नहीं सकता। यही कारण है कि रावण का वध करने के लिए भगवान विष्णु को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा। भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। रावण के अंत से पहले भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच कई दिनों तक युद्ध चला। धर्म और अधर्म के बीच हुआ यह युद्ध कितने दिनों तक चला,इस बार में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया। युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी। जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया। इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था। अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ। रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे। शास्त्रों के अनुसार रावण की सेना में करोड़ो लोग थे,बावजूद इसके भगवान श्रीराम और उनकी वानर सेना ने बहुत पराक्रम के साथ युद्ध किया और श्रीराम ने रावण का अंत कर दिया। सिर्फ रावण ही नहीं बल्कि उसकी सेना में ऐसे कई पराक्रमी योद्धा थे,जिन्हें किसी मनुष्य के लिए हराना असंभव था। इसलिए भगवान विष्णु के अवतार के साथ-साथ भगवान शिव और अन्य देवताओं ने भी अवतार लिए थें। श्रीराम-रावण के युद्ध में रावण के चार भाइयों कुम्भकर्ण,खर,दूषण और अहिरावण ने हिस्सा लिया था। इनमें से अहिरावण का अंत हनुमानजी ने किया था जबकि बाकी तीन भाइयों का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। युद्ध में रावण के सात शूरवीर पुत्र भी उतरे थे। इनमें से मेघनाद, प्रहस्त और अतिकाय का अंत लक्ष्मणजी ने किया जबकि नरान्तक, देवान्तक और अक्षय कुमार का अंत हनुमान के हाथों हुआ। रावण के एक पुत्र त्रिशिरा का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। आगे की कथा आप सभी स्वयं जानते है-स्वयं सीता को अग्नि परीक्षा तक देने पड़ी राम,सीता व लक्ष्मण अयोध्या लौटे,नगर वासियों नें दिवाली मनाई थी। आप सभी भी दिवाली मनाने की तैयारी में जुट गए होगें। मै उदास हूँ,कुछ सोचने को मजबुर हो गया हूँ दशहरे की रात से। देश की राजधानी में रामलीला मंचन व मंच से लेकर रावण को जलाने के जशन में समाज की जानी हस्तियों ने ना सिर्फ शिरकत की बल्कि अपने को गौरवान्वित महसुस कर रहें। आज जिसने भी जलाई है क्या उसमें से किसी में मर्यादा पुरुषोत्तम राम के गुण थें क्या। चाहे वे केन्द्रीय मंत्री हो,मुख्य मंत्री हो या राजनीतिक दलों के राजनेता हो,समाजसेवी हो यहाँ तक कई संवैधानिक पदों पर आसीन माननीय-सम्मानीय हो या फिहस्तियाँ हो,कोई भी हो व्यक्ति हो या जिसने भी रावण दहन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया हो उनको लेकर मेरे मन में बार यह बार एक सबाल पूछ रहा है। यहाँ आपमें से कोई राम है क्या। मुझे तो यहाँ कोई भी राम नही मिला। वही दूसरी तरफ रामलीला आयोजक की व्यवस्था पर भी कई सवालिया निशान उठता है। रामलीला स्थलो की व्यवस्था,मंच के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग,अस्थाई रूप से बनाई चारदीवारी पर पान मासला अन्य विज्ञापन सम्बन्धी विशालकाय पोस्टरों,रामलीला में आने जाने दर्शकों के मन जरूर दुष्प्रभाव सरकारी महकमे के आल अफसरों की उपस्थिति,दिल्ली पुलिस,आदि के साथ लाला जी का फोटो से व्यापार व रुतवा में स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ता है। आयोजको का ध्यान रामलीला के सरकारी व सार्वजिक स्थान के लिए उपलब्ध कराई जाती है। जहाँ पर केन्द्र सरकार राज्य सरकार,कई स्वायत संस्थानों को रियायती दरों पर बिजली पानी,सुरक्षा व्यवस्था,मैदान उपलब्ध कराई जाती है। आयोजको द्वारा रामलीला मंचन के लिए चंदे से बड़ी रकम उगाई की जाती है। जिसका कोई हिसाब किताब कोई आडिट रिपोर्ट होती है या नही । भगवान ही जाने। एक रामलीला मंच में आयोजकों के द्वारा अपने लिए शीश महल की शान शौकत उपलब्ध थीं हद तो तक हो जब - भगवान श्री राम की प्रतिमा-खुले मैदान में स्थापित किया गया। इतना ही नही - हिन्दु देवी देवताओं की प्रतिमा को जमीन पर कुछ रखी गई थी लाला जी व उनके परिवार व मित्र परिजनों की आलीशान महलों में शीसें अन्दर - खान पान की व्यवस्था,फोटो सुट प्राईवेट प्रचार प्रसार के लिए कथाकथित झोला छाप आई - माईक लेकर मीडिया कर्मियों का खास इंतजाम था। फोटो सूट आदि व्यवस्था की गई थी। जो कि साधारण व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ रामलीला देखने को आते है। सबसे पहले उन्हें यहाँ प्रवेश के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। जैसे तैसे वह पहुंचते है फिर आयोजकों के प्राईवेट सिक्युटी गार्ड जिसे आयोजको अपने मित्र व परिजनों की आव भगत - शान शौकत रखी गई है। वे आम जनता को प्रताड़ित करने से नही चुकते है। ऐसे में अपने स्वभाव के मुताबिक तीरक्षी नजर अगर आप को कोई राम दिखे तो हमे भी बतायेगा जरूर। एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है। एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

फिलहाल आपसे यह कहते हुए विदा लेते है कि ना ही काहुँ से दोस्ती। ना ही काहुँ सें बैर?खबरी लाल तो माँगें। सबकी खैर?

(लेखक- विनोद कुमार सिंह/ ईएमएस)

अब लहू-लुहान होता महाराष्ट्र

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावन की घोषणा से पहले ही महाराष्ट्र लहू--लुहान होने लगा है। मुंबई में एनसीपी ड अजित पवार गट .के नेता बाबा सिद्दीकी की सरे आम गोली मरकर हत्या कर दी गयी ,हालाँकि हत्यारों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया ,लेकिन इस वारदात से पूरी मुंबई सदमे में है ,क्योंकि दशहरे पर हुई इस वारदात को सूबे के लिए शुभलक्षण नहीं माना जा रहा।

मैंने कल ही सियासत में ठण्ड रखने की बात कही थी,लेकिन मेरी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज से ज्यादा हैसियत नहीं रखती। जनता तो मोदी और मल्लिकार्जुन की आवाजों को सुनकर हलकान है। मोदी कांग्रेस को अर्बन नक्सलियों द्वारा संचालित बता रहे हैं और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भाजपा को आतंकवादी पार्टी कह दिया है।। जनता किसकी बातो पर यकीन करे और किसकी बात पर नहीं ? मोदी जी सरकार हैं और खड़गे साहब विपक्ष। या तो दोनों अपनी - अपनी लक्ष्मण रेखाएं लांघकर बोल रहे हैं या फिर दोनों की बातों में दम है। जो भी तो परेशान जनता है।

हरियाणा और जम्मू-काश्मीर के बाद विधानसभा चुनावों के जरिये अपने आपको प्रमाणित करने का अगला मुकाम महाराष्ट्र ही है। महाराष्ट्र हर मामले में दूसरे सूबों से अलग है। इस सूबे में देश की आर्थिक राजधानी है , फ़िल्मी दुनिया है और ये शहर आतंकवाद के हमलों का भी शिकार रह चुका है। यहां नबंवर 2024 में विधानसभा चुनाव होने है। सत्तारूढ़ दल शिवसेना ड एकनाथ शिंदे जुट. और भाजपा के गठबंधन सरकार की दशा इस समय बहुत अच्छी नहीं है, लेकिन ये गठबंधन दोबारा सत्ता में बनने रहने के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए कमर कसककर बैठा हुआ है।

सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या राजनीतिक कारणों से की गयी या किसी और वजह से इसका पता फौरन नहीं लगाया जा सकता । पुलिस मामले की जांच कर रही है । मौके से गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हत्या का राज देर-सवेर खुलेगा ही ,लेकिन समझा जाता है कि इसके पीछे कोई न कोई साजिश,कोई न कोई सियासत जरूर होगी ,क्योंकि बाबा सिद्दीकी तीन बार के विधायक और मुंबईमें अल्पसंख्यकों के स्थापित नेता ही नहीं थे बल्कि फ़िल्मी दुनिया में टूटी कड़ियाँ जोड़ने वाले नायक भी थे। वे अनेक खानों कि दोस्त भी थे।

सवाल ये है कि सियासत को अर्बन नक्सली और आतंकवादी क्यों बनाया जा रहा है ? शुरुआत मोदी जी ने की कांग्रेस को अर्बन नकसली कहकर। जबाब में खड़गे साहब ने भाजपा को आतंकवादी कह दिया। ये कड़वाहट की इंतिहा है। यदि कांग्रेस सचमुच अर्बन नक्सली पार्टी है तो सरकार दस साल से हाथ पर हाथ रखकर बैठी क्यों है। सरकार को कांग्रेस को फौरन प्रतिबंधित कर देना चाहिए था। और यदि मोदी जी जल्दबाजी में कांग्रेस के बारे में गलत बात कह गए थे तो उन्हें समय रहते इसे दुरुस्त कर लेना चाहिए था। उन्होंने और उनकी पार्टी ने कांग्रेस को पहली बार अर्बन नक्सलीय नहीं कहा है। ऐसा पहले भी अनेकों बार देखा जा चुका है। लेकिन भाजपा को आतंकवादी पार्टी पहली बार कहा गया है।

भाजपाके ऊपर अभी तक साम्प्रदायिक ,हिंदूवादी ,सनातनी , अल्पसंख्यक विरोधी पार्टी होने के आरोप तो लगे हैं किन्तु आतंकवादी होने का आरोप पहली बार लगा है। हालाँकि भाजपा की मातृ संस्था आरएसएस को कांग्रेस के तमाम नेता आतंकवादी संगठन अवश्य कह चुके हैं।। मुमकिन है कि दोनों दलों की और से एक -दूसरे पर लगाए जा रहे आरोपों में कोई दम भी हो और ये भी हो सकता है कि दोनों दल अपनी-अपनी खीज मिटाने के लिए ऐसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं। सवाल ये है कि जनता किस दल को क्या माने ? एक तरफ सांपनाथ हैअन तो दूसरी तरफ नागनाथ। जनता की तो फजीहत है। जनता के मुद्दे तो इस स्थि लतियाव में बहुत पीछे होते जा रहे हैं।

पूर्व विधायक और एनसीपिनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या ने इस बात की आशंका और बढ़ा दी है कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव इस बार शन्तिपूर्वक होंगे भी या नहीं ? 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 15 वीं बार चुनाव अगले महीने होना है। मौजूदा भाजपा शिवसेना गठबंधन ने गठबंधन में कुल 161 सीटें जीतकर विधानसभा में आवश्यक 145 सीटों के बहुमत को पार कर लिया। व्यक्तिगत रूप से बीजेपी ने 105 और सेना ने 56 सीटें जीतीं। 106 सीटों के साथ विपक्षी कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंचा। व्यक्तिगत रूप से कांग्रेस ने 44 और एनसीपी ने 54 सीटें जीतीं। सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था में मतभेदों के कारण, 2019 में महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पैदा हो गया और शिवसेना ने भाजपा के नए मुख्यमंत्री का समर्थन करने से इनकार कर दिया। विधानसभा में बीजेपी ने बहुमत साबित नहीं किया. शिवसेना और भाजपा गठबंधन से अलग हो गए।

आपको याद ही होगा कि बाद में शिवसेना ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ चुनाव के बाद गठबंधन किया और इस प्रकार 172 का बहुमत हासिल किया। नए गठबंधन का नाम महा विकास अघाड़ी रखा गया। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के 19वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दल बन गई।लेकिन ये सरकार भी बहुत जल्द संकट में आ गयी 21 जून 2022 को, शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता, एकनाथ शिंदे, महा विकास अघाड़ी के कई अन्य विधायकों के साथ सूरत चले गए और गठबंधन को संकट में डाल दिया। उनकी मांग थी की सेना अघाड़ी गठबंधन को तोड़ कर बीजेपी के साथ सरकार बनाए जो आलाकमान को कतई मंजूर नहीं था तो शिंदे अघाड़ी गठबंधन से बगावत करते हुए अपने विधायकों को लेकर सूरत से गुवाहाटी पहुँच गए। खबर आती रही की शिंदे, फडणवीस जैसे बीजेपी के नेताओं के संपर्क मे रहे। 29 जून तक शिंदे समेत अघाड़ी गठबंधन के 51 विधायकों ने उद्धव सरकार के खिलाफ बगावत कर दी, जिसमे शिवसेना के 39 और 12 निर्दलीय विधायक थे। फलस्वरूप उद्धव ठाकरे को इस्तीफा देना पड़ा। 30 जून को बीजेपी ने एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री और देवेन्द्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाते हुए नई सरकार बनाई।

महाराष्ट्र की जनता अपने जनादेश के साथ हो रहे खिलवाड़ से अजीज आ चुकी है । मुझे लगता है कि लहू-लुहान महाराष्ट्र की जनता इस बार अपने अतीत के फैसलों से सबक लेकर जिसे भी चुनेगी ,स्पष्ट बहुमत के साथ चुनेगी। और कांग्रेस तथा भाजपा से एक स्थिर सरकार की गारंटी मांगेगी। यदि इस बार भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में खूनी खेल खेलने की कोशिश की गयी तो ये प्रमाणित हो जाएगा कि हमारे जिम्मेदार राजनितिक दल अर्बन नकसल हैं या आतंकवादी ?

(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

भृष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस जुमला साबित हो रहा..

पिछले दिनों लोकायुक्त ने रीवा की एक महिला पटवारी को ढाई हजार की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा। अब आप कहेंगे इस खबर में अनोखा क्या है ? जब तब छपती रहती हैं। अनोखा यह है कि यही मैडम लोकायुक्त द्वारा 2016 में भी 9 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई थी। लोकायुक्त की सूचना पर राजस्व विभाग ने कार्यवाही के नाम पर उसे 45 किमी दूर तेंदुल ट्रांसफर कर दिया जहां वह घूस लेते पुनः पकड़ी गई। 2016 की घटना की जांच पूरी कर लोकायुक्त द्वारा 2022 में राजस्व विभाग से अभियोजन चलाने मांगी गई मंजूरी 2 साल से राजस्व विभाग में धूल खा ही रही थी कि मैडम ने नया कारनामा अंजाम दे दिया। स्पष्ट है, लोकायुक्त जांच प्रक्रिया और अभियोजन स्वीकृति हेतु भेजने में विलंब और स्वीकृति मिलने में होने वाली सरकारी देरी सरकारी कारिंदों के मन से कार्यवाही का डर खत्म कर रही है। सरकारी कारिंदों द्वारा माल ऊपर तक पहुंचा कर उसके ऐवज में कार्यवाही के खिलाफ ताबीज़ हासिल किए जाने संबंधी आम धारणा भी मजबूत होती है। कुल मिलाकर भृष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की सरकारी नीति पर प्रश्न चिन्ह उठते हैं।

भृष्टाचार मिटाने के लिए ही बनी लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसी संस्थाओं को पहले कार्यवाही के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं थी। यह व्यवस्था अचानक बदलकर कार्यवाही के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई। आलम यह है कि रंगे हाथों पकड़े गए प्रकरण भी मंजूरी की प्रतीक्षा में धूल खाते रहते हैं जिसका फायदा उठाकर बेख़ौफ़ भृष्टाचारी फिर अवैध वसूली में जुट जाते हैं। यह बेख़ौफ़ी इतनी विकराल हो गई है हाल ही में राजस्व विभाग के तहसीलदार स्तर के कारिंदे के ख़िलाफ़ भृष्टाचार के प्रकरण में एफआईआर दर्ज होने पर अन्य कर्मचारियों द्वारा संगठित रूप से कार्यवाही रोकने का दबाव बनाने की कोशिश की गई।

2023 में जारी लोकायुक्त की सालाना रिपोर्ट बताती है कि भ्रष्टाचार के मामले बढ़ रहे हैं । 2021 में 252 भ्रष्टाचारी रिश्वत लेते पकड़े गए थे। 2022 में यह संख्या 12 फ़ीसदी बढ़कर 279 हो गई। इस सर्वव्यापी बीमारी में पटवारी, क्लर्क, नायब तहसीलदार,रेंजर जैसे निचले स्तरों के साथ साथ डॉक्टर, डायरेक्टर ,इंजीनियर, सीईओ, एसडीओ, जैसे अफसर स्तर तक के सरकारी कारिंदे शामिल हैं। आंकड़ो पर नज़र डालें तो 2022 में ही इजाजत नहीं मिलने की वजह से नगरीय आवास और विकास विभाग , सामान्य प्रशासन विभाग और पंचायत एवं ग्रामीण राजस्व विभाग और स्वाथ्य विभाग के लगभग 130 से अधिक मामले लंबित थे। 15 केस तो 10 साल से लंबित थे।

अनुमति संबंधी मामले पर हाईकोर्ट में भी विचार हो चुका है। लोकायुक्त ने एक लोक सेवक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप लगाकर मामला अभियोजन स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा। मंजूरी न मिलने पर लोकायुक्त ने यह कहकर कोर्ट का रुख किया कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत थे और मंजूरी न देकर सरकार ने गलती की है। सरकारी तर्क था कि लोकायुक्त मंजूरी के लिए परमादेश की मांग नहीं कर सकता। अदालत ने माना कि लोकायुक्त की भूमिका सरकार को रिपोर्ट भेजने के साथ समाप्त हो जाती है। सरकार का कर्तव्य है कि वह मूल्यांकन कर मंजूरी के बारे में निर्णय करे। स्वीकृति प्रदान करने का प्रश्न यह सुनिश्चित करने का इरादा है कि कोई तुच्छ मुकदमा नहीं चलाया जा रहा। स्वीकृति पूर्णतः सरकार के विवेक पर निर्भर है और उसके निर्णय को चुनौती नहीं दी जा सकती। इस व्याख्या के बावजूद रिश्वतखोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने पर भी अभियोजन मंजूरी न दिए जाने के निर्णय पर नैतिक सवाल तो उठते हैं।

सरकार भृष्टाचार के खिलाफ लगातार जीरो टॉलरेंस के दावे करती रहती है। लोकायुक्त जांच प्रक्रिया और उसके बाद सरकारी अनुमति में होने वाली हीलाहवाली और विलंब इन दावों को पलीता लगाता है। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसी संस्थाएं सरकार द्वारा भृष्टाचार उन्मूलन के लिए उठाए गए सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक हैं। कहने को ये संस्थाएं स्वतंत्र हैं, मगर इनकी कार्यवाही को लेकर कालांतर में उठाए गए सरकारी कदम इस स्वतंत्रता की पुष्टि नहीं करते। सरकारी महकमों में भृष्टाचार की निरंतर बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि किसी जमाने में भृष्टाचारियों के मन में सिहरन पैदा कर देने वाली इन संस्थाओं का रुतबा खत्म हो गया है। वित्तीय और मानव संसाधनों के लिए पूर्णतः सरकार पर निर्भर यह संस्थाएं विलंब के लिए संसाधनों की कमी का रोना रोती हैं। मगर जैसा रीवा के प्रकरण में हुआ, लोकायुक्त द्वारा रंगे हाथ पकड़े जाने का प्रकरण भी मंजूरी के लिए 6 साल बाद भेजा जाना कदापि उचित नहीं ठहरता।

अभियोजन स्वीकृति में होने वाला विलंब सामान्यतः विधि एवं विधायी कार्य विभाग और प्रशासकीय विभाग की मतभिन्नता के कारण होता है। राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक दबाव भी काम करते हैं। इसके मद्देनजर निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 6 वरिष्ठतम मंत्रियों की सदस्यता वाली ताकतवर समिति का गठन हुआ है जिसके सचिव मुख्य सचिव प्रदेश शासन होंगे। उम्मीद है कि इसके सकारात्मक परिणाम होंगे और मंजूरी के प्रकरण राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव के आगे दम तोड़ते नजर नहीं आएंगे। जरूरत संसाधनों की कमी दूर कर लोकायुक्त जैसी संस्थाओं को और प्रभावी बनाने की भी है। अन्यथा तो भृष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की सरकारी नीति हवा हवाई ही साबित होगी और आम आदमी बदस्तूर सरकारी भृष्टाचार की चक्की तले पिसता रहेगा और भृष्ट सरकारी कारिंदे फलते-फूलते रहेंगे। (लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8157

बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी,मक्कारी-5
9. भस्म,खाक -2
11. आज्ञापालक,कर्मचारी-2
12. मगन,लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग,दक्षिणा-2
16. जीभ,जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास,रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी,नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

1. अनबन,झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर,इच्छापूर्ति-4
8. नीरज,जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय,शरण-3
14. करिश्मा,करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार,पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र,चिट्ठी-2
28. नासिका,घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8156 का हल

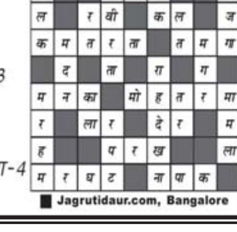

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

नेशंस लीग फुटबाल : रोनाल्डो के गोल से पुर्तगाल ने पोलैंड को 3-1 से हराया

बार्सिलोना (ईएमएस)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार गोल से पुर्तगाल ने नेशंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में पोलैंड को 3-1 से हरा दिया। वहीं अन्य मैच में स्पेन ने डेनमार्क को 1-0 से पराजित किया। रोनाल्डो ने पोलैंड के खिलाफ मैच में 37वें मिनट में ही ये गोल किया। वहीं बर्नार्डो सिल्वा ने मैच के 26वें मिनट में एक गोल कर पुर्तगाल को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। रोनाल्डो ने अब तक नेशंस लीग में सभी तीन मैचों में गोल किये हैं। इसमें इनमें क्रोएशिया के खिलाफ किया गया गोल भी शामिल है जो उनके करियर का 900वां गोल था। दूसरी ओर पोलैंड की ओर से इस मैच में केवल एक गोल मिडफील्डर पियोत्र जिलिंस्की ने 78वें मिनट में दागा पर तब तक काफी देर हो गयी थी। वहीं उसके डिफेंडर जान बेडनारेक ने खेल समाप्त होने से दो मिनट पहले ही आत्मघाती गोल कर पुर्तगाल की 3-1 से जीत तय कर दी। अभी पुर्तगाल ग्रुप ए1 में तीन मैचों में 9 अंकों के साथ ही नंबर एक पर पहुंच गयी हैं वहीं क्रोएशिया की टीम छह अंक लेकर दूसरे नंबार पर हैं। क्रोएशिया ने स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया था। वहीं नेशंस लीग के एक अन्य मैच में स्पेन ने मार्टिन ज़ुबिमेन्डी के 79वें मिनट में किए गए गोल से डेनमार्क को 1-0 से पराजित किया। इस जीत से स्पेन के ग्रुप ए4 में तीन मैचों के बाद सात अंक हो गए हैं। वहीं डेनमार्क छह अंक के साथ ही दूसरे स्थान पर है जबकि सर्बिया के चार अंक हैं। उसने एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड को 2-0 से हराया था।

एथलीट हिमा डोपिंग अरोपों से मुक्त हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। एथलीट हिमा दास को डोपिंग मामले में राहत मिली है। डोपिंग रोधी अपील पैनल (एडीएपी) ने हिमा को डोपिंग के आरोंपों से मुक्त कर दिया है। हिमा पर एक साल में तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने के कारण साल 2023 में डोपिंग के हिमा दास को नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल यानी एडीएपी से मंजूरी मिल गई है। अब हिमा सभी मुकाबलों में भाग लें सकेंगी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। वह जकार्ता में स्वर्ण और रजत जीतने वाली महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर और मिश्रित 4 गुण 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थीं। इस धाविका को इस वर्ष की शुरुआत में लगी चोट के कारण पिछले वर्ष हांग्जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) के नियमों के अनुसार, 12 महीनों के भीतर तीन बार ठहरने की जगह की जानकारी न देने पर आरोपी ठहराया गया था। नाडा नियमों के अनुसार पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल एथलीटों को अपने रात्रि विश्राम स्थान का पूरा पता, प्रत्येक स्थान का नाम और पूरा पता, जहां वे प्रशिक्षण, कार्य या अन्य नियमित अनुसूचित गतिविधियां करते हैं, तथा प्रत्येक गतिविधि की सामान्य समय-सीमा भी बतानी होती है।

18 रनों से विश्व रिकार्ड नहीं तोड़ पायी टीम इंडिया

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में इस प्रकार से तूफानी बल्लेबाजी की कि विरोधी गेंदबाजों को संभलने का अवसर भी नहीं मिला। भारतीय टीम ने 70 गेंदों पर ही 173 रन बना दिये। भारतीय टीम ने इस मैच में 6 विकेट पर 297 रनाये पर वह केवल 18 रनों से विश्व रिकार्ड नहीं तोड़ पायी। कप्तान सूर्यकुमार यादव और ओपनर संजू सैमसन की जोड़ी ने बांग्लादेशी गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। इस जोड़ी ने केवल 70 गेंदों पर ही 173 रन बना दिये। इस मैच में सूर्या और सैमसन ने 14 ओवर में ही 200 रन बना दिये।

पहला विकेट गिरने के बाद सूर्यकुमार ने सैमसन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए तेजी से रन बनाये। 23 रन पर पहला विकेट गिरने के बाद सूर्या और सैमसन ने स्कोर 13.4 ओवर में 196 रन तक पहुंचा दिया। इन दोनो के बीच दूसरे विकेट के लिए संजू 173 रन की साझेदारी हुई। इसमें सैमसन ने 92 रन जबकि सूर्या ने 67 रन बनाये। .

भारतीय टीम ने तीसरे टी20 में बनाये कई रिकार्ड

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्ला देश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में बड़ी जीत दर्ज करने के दौरान कई रिकार्ड अपने नाम किये। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 297 रनों का अब तक का अपना सबसेअधिक स्कोर बनाया। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने सबसे अधिक कुल 22 छक्के लगाये। इकसे अलावा संजू सैमसन ने 40 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से रवि बिश्नोई ने सबसे अधिक 3 विकेट लेने के साथ ही टी20 में 50 विकेट भी पूरे किए।

इस मैच में भारतीय टीम के सैमसन ने एक ही ओवर में लगातार 5 छक्के लगाये। इसकी सहायता से सैमसन ने 40 गेंदों में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। इसके साथ ही वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बये। इससे पहले भारतीय टीम की ओर से सबसे तेज शतक जमाने का रिकॉर्ड कप्तान रोहित शर्मा के नाम था। रोहित ने साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। अब सैमसन भारत की ओर से किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगाने वाले पहले विकेटकीपर बन गए हैं। अब तक किसी भी भारतीय विकेटकीपर के नाम टी20 में शतक नहीं है। इसके अलावा इस मैच में भारतीय टीम की जीत का अंतर सबसे अधिक 168 रन रहा।

मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले चौथे भारतीय बने

हैदराबाद (ईएममएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में पहली ही गेंद पर विकेट लेकर एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पांडया और अर्शदीप सिंह के नाम ये रिकार्ड है।

मयंक ने इससे पहले ग्वालियर में अपना पहला मैच खेला था। इस मैच में मयंक ने एक विकेट लिया था। वहीं दूसरे मैच में भी उन्होंने एक विकेट लिया। तीसरे मैच में वह दो विकेट लेने में सफल रहे। मयंक ने अपने चार ओवरों में 32 रन देकर दो विकेट लिए। इस प्रकार तीन मैचों में उन्होंने चार विकेट लिए। सीरीज में उनका इकॉनमी रेट 6.91 रहा है। इस सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया था। ऐसे में मयंक सहित युवा खिलाड़ियों को मौका मिला था।

बिश्नोई 50 टी20ई विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

हैदराबाद (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर रवि बिश्नोई ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में 50 टी20 विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब बिश्नोई सबसे तेजी से 50 टी20ई विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। बिश्नोई ने अपने दूसरे ओवर में ही बांग्लादेश के लिटन दास को आउट कर अपनी 33वीं पारी में अपना 50 वां विकेट लिया। इस प्रकार उन्होंने अर्शदीप सिंह के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। अर्शदीप ने भी 33 वीं पारी में अपने 50 विकेट लिए थे। मैच के छठे ओवर में ही बिश्नोई ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो को आउट कर मेहमान टीम को करारा झटका दिया था। वहीं अब तक सबसे तेज 50 टी20 विकेट विकेट लेने का रिकॉर्ड भारत की ओर से चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव के नाम है। कुलदीप ने 30 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं यजुवेंद्र चहल ने 34 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

50 टी20 विकेट लेकर उत्साहित बिश्नोई ने कहा कि इस इस रिकार्ड को बनाकर उन्हें बेहद खुशी हुई है। साथ ही कहा कि जब आपकी टीम में प्रतिस्पर्धा होती है तो दबाव रहता ही है। साथ ही कहा कि मैं खेलने को लेकर मिले अवसर के का पूरा लाभ उठाना चाहता था। साथ ही कहा कि मुझे कुछ दिनों का ब्रेक मिला था जिसका मैंने पूरा लाभ उठाया है। बिश्नोई का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में भी बेहद प्रभावी रहा है।

तिलक इमर्जिंग टी20 एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे

मुम्बई (ईएमएस)। बल्लेबाज तिलक वर्मा को इमर्जिंग टी20 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने कहा है कि तिलक एशिया कप के दौरान भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। टीम में तिलक के अलावा अभिषेक शर्मा, राहुल चाहर और साई किशोर जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। इसके अलावा आयुष बडोनी, रमनदीप सिंह, अनुज रावत, नेहल वढेरा और रसिख सलाम को भी इस टीम में शामिल किया गया है। इन सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अच्छा रहा है।

इस प्रतियोगिता के लिए 15 सदस्यीय दल ओमान जाएगा। इमर्जिंग टी20 एशिया कप 18 और 27 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा।

कंपनियों के तिमाही परिणामों का शेयर बाजार पर रहेगा असर

- बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही

मुंबई (ईएमएस)। बीते सप्ताह मध्य-पश्चिम संघर्ष को लेकर वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली से गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और एक्सिस बैंक समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जारी होने वाले परिणाम का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 307.09 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 81381.36 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50.35 अंक उतरकर 24964.25 अंक पर रहा। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई। इससे मिडकैप 530.12 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 48436.86 अंक और स्मॉलकैप 654.78 अंक उछलकर 56600.09 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह विश्व बाजार का रुझान कमजोर रहा। भारतीय बाजार वर्तमान में प्रीमियम मूल्यांकन और दूसरी तिमाही के सुस्त नतीजों के कारण सुदृढ़ीकरण के चरण में हैं। इसके विपरीत विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) चीन के प्रोत्साहन उपायों और कम मूल्यांकन के चीनी बाजारों में आर्बिट्रेज अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा तथा उसके निर्णयों से निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना का संकेत नहीं मिलता है। इस बीच हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीद से अधिक बेहतर प्रदर्शन से घरेलू बाजार में आशा की लहर दौड़ गई। इससे सेंसेक्स ने कुछ लचीलापन दिखाया और वापस उछलने का प्रयास किया तथा निफ्टी 50 सूचकांक को 24,800 अंक के स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि यह समर्थन अस्थायी बना हुआ है, जिससे इसके मध्यवर्ती स्तर पर होने का जोखिम बना हुआ है। बीते सप्ताह बाजार अपनी तेजी को बरकरार नहीं रख सका और निफ्टी50 25,000 अंक से नीचे बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित वृद्धि और जारी भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण अमेरिका में 10 वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में हाल में हुई वृद्धि ने एफआईआई को अधिक सस्ते बाजारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। इस प्रवृत्ति से अल्प अवधि में इक्विटी परिसंपत्ति का प्रदर्शन प्रभावित होने की उम्मीद है। इस सप्ताह निवेशकों की वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों पर पैनी नजर रहेगी। दूसरी तिमाही के परिणाम के तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कमजोर प्रदर्शन रहने का अनुमान है। रियलटी का जोखिम बढ़ रहा है, जिससे अल्प से मध्यम अवधि में भारत का प्रीमियम मूल्यांकन कम हो सकता है। इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र बैंक, सीआईएल, बजाज ऑटो और क्रिसिल समेत कई दिग्गज कंपनियों की दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही। इजराइल-ईरान तनाव और चीन के प्रोत्साहन पैकेज के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 638.45 अंक का गोता लगाकर करीब डेढ़ माह के निचले स्तर 81,050.00 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 218.85 अंक की गिरावट लेकर 24,795.75 अंक पर बंद हुआ। मध्य-पश्चिम संघर्ष को लेकर विश्व बाजार में गिरावट रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मजबूत परिणाम रहने की उम्मीद में हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 584.81 अंक उछलकर 81,634.81 अंक और निफ्टी 217.40 अंक की छलांग लगाकर 25,013.15 अंक पर पहुंच गया। आरबीआई से ब्याज दर में कटौती किए जाने की उम्मीद लगाए निवेशकों को लगातार दसवीं बार निराशा हाथ लगने का असर बुधवार को शेयर बाजार में बिकवाली के रूप में दिखा। इससे निराश निवेशकों की ऊर्जा, एफएमसीजी और तेल एवं गैस समेत चार समूहों में हुई बिकवाली से सेंसेक्स 167.71 अंककीगिरावटलेकर 81,4 67.10 अंक और निफ्टी 31.20 अंक फिसलकर 24,981.95 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 144.31 अंक की छलांग लगाकर 81,611.41 अंक और निफ्टी 16.50 अंक की बढ़त लेकर 24,998.45 अंक हो गया। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के परिणाम उम्मीद से कमजोर रहने से टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा आईसीआईसीआई बैंक और मारुति समेत चौदह कंपनियों में हुई बिकवाली से शुक्रवार को सेंसेक्स 230.05 अंक की गिरावट लेकर 81,381.36 अंक और निफ्टी 34.20 अंक फिसलकर 24,964.25 अंक पर बंद हुआ।

जर्मनी में सेकंड वर्ल्ड वॉर का बम मिला

5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया, डिफ्यूज करने में आधा घंटा लगा

हैम्बर्ग (ईएमएस)। जर्मनी के हैम्बर्ग प्रांत में सेकंड वर्ल्ड वॉर के टाइम का बम मिला है। शनिवार को स्टर्नशांजे जिले में बम की सूचना मिलने के बाद 300 मीटर के दायरे में रहने वाले करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया। इसके अलावा पुलिस ने इलाके के रेस्तरां और बार भी बंद करा दिए थे।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक एक प्राइमरी स्कूल के कंस्ट्रक्शन के दौरान ये मिला था। अधिकारियों ने बताया कि बम को सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया है। इसे डिफ्यूज करने में करीब आधे घंटे का वक्त लगा था। बम मिलने की वजह से जिले में रेल सर्विस को भी रोकना पड़ा। जर्मनी में सेकंड वर्ल्ड वॉर के बमों का मिलना आम बात है, जिन्हें बाद में डिफ्यूज कर दिया जाता है।

पिछले हफ्ते जापान में फटा था बम

जापान के दक्षिणी हिस्से में मियाजाकी एयरपोर्ट पर 3 अक्टूबर को एक बम विस्फोट हुआ था। इस बम को अमेरिका ने सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान जापान पर गिराया था। 5 हजार लोगों को सुरक्षित निकाला गया, डिफ्यूज करने में आधा घंटा लगा हालांकि जब इसे गिराया गया, तब इसमें विस्फोट नहीं हो पाया था। इसकी वजह से ये दबा रहा। ये बम विस्फोट एयरपोर्ट के टेक्सी-वे की साइड में हुआ था। बम विस्फोट के बाद एयरपोर्ट से उड़ानों को रद्द कर दिया गया था।

इजरायल के खिलाफ हुआ भारत,शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोपरि

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक प्रमुख सैन्य योगदानकर्ता देश के रूप में भारत 34 यूएनआईएफएलआईएल सैन्य योगदानकर्ता देशों द्वारा जारी संयुक्त बयान के साथ पूरी तरह से खड़ा है। शांति सैनिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसे मौजूदा यूएनएससी प्रस्तावों के अनुसार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बल में दर्जनों देशों के 10,000 से अधिक शांति सैनिक हैं। इसमें भारतीय सैनिकों की संख्या दूसरी सबसे बड़ी है। भारत के लगभग 900 सैनिक इसमें शामिल हैं। आपको बता दें कि पिछले एक साल में हमास और हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायल की कार्रवाइयों पर भारत ने संतुलनकारी रुख अपनाया हुआ था। लेकिन अब भारत ने इजरायल के खिलाफ स्टैंड ले लिया है।

इजरायल की सेना ने कहा कि शुक्रवार को दक्षिण लेबनान के नकौरा में उनके वॉचटावर के पास एक इजरायली हमले में श्रीलंका के दो संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक घायल हो गए। 48 घंटों में दूसरी बार इस क्षेत्र में शांति सैनिकों के मुख्य बेस पर विस्फोट हुए। यूनिफिल बल ने इसे गंभीर घटनाक्रम बताया और कहा कि संयुक्त राष्ट्र कर्मियों और संपत्ति की सुरक्षा की गारंटी दी जानी चाहिए। शुक्रवार को भारत ने दक्षिणी लेबनान में लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के फंसने की खबरों और बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

विदेश मंत्रालय ने कहा, हम ब्लू लाइन पर बिगड़ती सुरक्षा स्थिति से चिंतित हैं। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। 120 किलोमीटर की ब्लू लाइन संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त सीमांकन रेखा है जो दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना की वापसी को दर्शाती है। यह लेबनान को इजरायल और गोलान हाइट्स से अलग करती है, लेकिन यह आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं है।

ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला करेगा इजराइल

-ईरान ने अरब देशों से कहा- हम पलटवार करेंगे

तेलअवीव(ईएमएस)। ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। अमेरिका को शक है कि इसका बदला लेने के लिए इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल पलटवार में ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। हालांकि, ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रकचर पर अटैक की आशंका भी जताई गई है।

वहीं, ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों को कहा है कि अगर इजराइल ने हमला किया तो वे जवाब जरूर देंगे। ईरान से तनातनी के बीच नेतन्याहू आज फिर से कैबिनेट की मीटिंग करेंगे। इसमें ये चर्चा की जाएगी कि ईरान के 1 अक्टूबर को किए गए हमले पर पलटवार कैसे करें। इससे पहले शुक्रवार को भी एक बैठक हुई थी। हालांकि, उसमें कोई फैसला नहीं हो पाया था।

इजराइली हमले में लेबनान के 13 लोगों की मौत

इजराइल ने शनिवार को लेबनान के 2 कस्बों पर हमले किए। इनमें एक बारजा बेरूत से 32 किलोमीटर दूर है, जहां ज्यादातर सुन्नी आबादी वाले लोग रहते हैं। इजराइल के हमले में यहां 4 लोग मारे गए। हिजबुल्लाह शियाओं का संगठन हैं इसके चलते लेबनान जंग में इजराइल ने अब तक शिया इलाकों को निशाना बनाया था। सुन्नी कस्बे पर हमला पहली बार हुआ है। वहीं, उत्तरी लेबनान के मायसरा में भी इजराइली हमले में 9 लोगों की मौत हुई है। दूसरी तरफ इजराइल ने दावा किया है हिजबुल्लाह ने शनिवार को उन पर 300 प्रोजेक्टाइल (छोटी मिसाइलें) दागी हैं।

इजराइल के खिलाफ ह्व के बयान पर सहमत भारत

यूएन और 40 देशों की अपील के बावजूद लेबनान में तैनात पीसकीपिंग फोर्स पर इजराइल के हमले जारी हैं। पिछले 2 दिनों में 5 सैनिक घायल हो चुके हैं। इस बीच ह्व में भारत ने कहा है कि हम पीसकीपिंग मिशन में सैनिकों के जरिए योगदान देने वाला एक अहम देश हैं। पीसकीपर्स की सुरक्षा सबसे अहम है, ह्स्ष्ट के प्रस्तावों के तहत इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भारत ने कहा-हम शांति के लिए लेबनान में सैनिक तैनात करने वाले 34 देशों के उस साझा बयान का समर्थन करते हैं, जिसमें सैनिकों की सुरक्षा की मांग की गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने भी शनिवार को इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट से इस मुद्दे पर बात कर जल्द कोई समाधान निकालने की मांग की है।

इंडोनेशिया में स्पीड बोट में विस्फोट के बाद लगी आग, 5 की मौत, कई गंभीर

जकार्ता,(ईएमएस)। इंडोनेशिया में एक स्पीड बोट में आग लग गई जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और नौ गंभीर रुप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में कुछ और लोगों के मारे जाने की आशंका जताईजा रही है। यह दुर्घटना तब हुई जब गवर्नर पद के उम्मीदवार बेनी लाओस और उनके समर्थक तालीबू क्षेत्र के समुद्री बंदरगाह पर नाव में ईंधन भरवा रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट में आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद कुछ लोग नाव में फंसे हुए थे और वीडियो फुटेज से भी साफ हुआ कि आग ने नाव को अपनी चपेट में ले लिया था। आग लगने से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ था, जिसके बाद नाव में आग फैल गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं और कुछ लोग नाव में फंसे थे।

हालांकि, नाव पर कितने लोग सवार थे इसकी सही जानकारी नहीं लग सकी है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट में प्रांतीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख ने बताया कि विस्फोट के बाद आग ने पूरे नाव को अपनी चपेट में ले लिया था। अधिकारियों की टीम राहत कार्य में जुटी गई और बचे लोगों को बचाने की कोशिश की।

ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं, समान विचार वाले देशों का एक बहुराष्ट्रीय संगठन हैः रुस

मास्को,(ईएमएस)। रूसी विदेश मंत्रालय ने ने कहा कि ब्रिक्स सैन्य संगठन नहीं है, कभी नहीं रहा है और न ही बनने जा रहा है। ब्रिक्स एक अंतरराष्ट्रीय संगठन या एकीकरण संरचना भी नहीं है, बल्कि समान विचार वाले सदस्यों वाला एक बहुराष्ट्रीय संगठन है।

मीडिया रिपोर्ट में एक लेख (जिसमें सुझाव दिया गया था कि ब्रिक्स के विस्तार से नाटो को चिंतित होना चाहिए।) पर टिप्पणी करते हुए रुसी मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स एक बहु-विषयक रणनीतिक साझेदारी है, जो तीन स्तंभों राजनीति और सुरक्षा, अर्थशास्त्र एवं वित्त और संस्कृति एवं मानवीय संबंध पर टिका है।

रिपोर्ट में रुसी मंत्रालय ने बयान में कहा कि ब्रिक्स भागीदारों के बीच संबंध समानता, आपसी सम्मान, खुलेपन, व्यावहारिकता, एकजुटता और सबसे महत्वपूर्ण बात किसी के विरोध न करने पर आधारित हैं। मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का एक मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष और बहुपक्षीय विश्व आर्थिक प्रणाली बनाना है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही इस ब्लॉक ने अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान के आधार पर अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है।

मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स का विस्तार विश्व अर्थव्यवस्था में बदलावों को दर्शाता है और अंतरराष्ट्रीय मामलों में विकासशील राज्यों की भूमिका को मजबूत करने में योगदान देता है। ब्रिक्स एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 2006 में की गई थी। रूस ने 1 जनवरी, 2024 को ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। इस साल की शुरुआत रूस, ब्राज़ील, भारत, चीन और दक्षिण अीका के अलावा अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब शामिल हो गए हैं। रूस की ब्रिक्स अध्यक्षता निष्पक्ष वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मज़बूत करने पर केंद्रित है।

मांग बढ़ने से अधिकांश तेल-तिलहन में सुधार देखा गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयातित खाने के तेलों की कम आपूर्ति के बीच बढ़ती त्योहारी मांग की वजह से देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती रही तथा मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। दूसरी ओर, सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन और बिनौला की आवक निरंतर घट रही है। किसानों से जो ऊपज तेल संयंत्रों को मिलना था, उस सौदे को स्टॉकिस्ट जमा कर रहे हैं। किसान अपनी ऊपज सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेचने को लेकर कहीं अधिक आश्वस्त नजर आ रहे हैं क्योंकि मंडियों में उनकी ऊपज के दाम लगभग 10 प्रतिशत कम लगाये जा रहे हैं। सरकार को सोयाबीन बेचने के लिए किसान अपना पंजीकरण कराने में लगे हैं और खुले मंडियों में कम ऊपज ला रहे हैं। इस कम आपूर्ति की वजह से सोयाबीन तिलहन कीमत में सुधार है।उन्होंने कहा कि दूसरी ओर मंडियों में कम आपूर्ति के बीच आयात की भी कमी रहने के कारण सोयाबीन तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने हुए हैं। सोयाबीन तेल अभी भी प्रीमियम के साथ बिक रहा है।सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार को मलेशिया एक्सचेंज मजबूत बंद हुआ था जिस वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार है। उन्होंने कहा कि आवक घटने के कारण बिनौला तेल कीमत में सुधार है। कपास नरमा का भाव मजबूत बना हुआ है। श?निवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः सरसों तिलहन 6,650-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,375-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,100 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,285-2,585 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 13,975 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,180-2,280 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,180-2,295 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,150 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 12,575 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,725-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,425-4,660 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,225 रुपये प्रति क्विंटल।

श्रीलंका सरकार फिर कराएगी हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच, आदेश किए जारी

-जांच में आतंकवादी हमले और एक पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल

कोलंबो,(ईएमएस)। श्रीलंका सरकार ने पुलिस को कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों की फिर से जांच करने का आदेश दिया है, जिसमें 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले और 2005 में एक तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल है। पिछले महीने राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने इन मामलों की फिर से जांच करने का वादा किया था, जिनका समाधान नहीं हो सका था। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने यह फैसला इसलिए किया है, ताकि जांच में किसी भी तरह की चूक की पहचान की जा सके।

श्रीलंका मंत्रालय के कार्यवाहक पुलिस प्रमुख से कहा है कि इन मामलों की फिर जांच की जानी चाहिए। उनमें 2015 में सेंट्रल बैंक बॉण्ड जारी करने में कथित घोटाला शामिल है, जिसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तत्कालीन सरकार को दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा 2019 के 'ईस्टर संडे' आतंकवादी हमले की भी जांच की जानी है, जिसमें 11 भारतीयों समेत 270 से ज्यादा लोगों की मौत् हो गई थी। जांच में आतंकवादी हमले और एक पत्रकार की हत्या का मामला भी शामिल आतंकवादी हमले का गवाह बना कैथोलिक चर्च इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग करता रहा है। उसका आरोप है कि पिछली सरकारों ने राजनीति से प्रेरित होकर इस हमले पर पर्दा डाल दिया था। जिन अन्य मामलों की जांच की जानी है उनमें तमिल अल्पसंख्यक समुदाय के पत्रकार डी. शिवराम की 2005 में हुई हत्या और उस समय पूर्वी विश्वविद्यालय के प्रमुख एक तमिल अल्पसंख्यक शिक्षाविद का 2006 में अपहरण किए जाने और लापता होने का मामला भी शामिल है।

कनाडा में सरकार के 40 सांसद करेंगे खेला

गिर सकती है जस्टिन टूडो की सरकार

मॉन्ट्रियल(ईएमएस)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो की मुश्किलें बढऩे वाली हैं। कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के सांसदों का एक ग्रुप जस्टिन टूडो पर पद छोडऩे का दबाव बना रहा है। स्थिति से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया कि टोरंटो और मॉन्ट्रियल में हाल के उपचुनावों में हार के बाद असंतोष चरम पर पहुंच गया है। इसके बाद असंतुष्ट सांसदों के बीचगुप्तबैठक शुरू हो गई, जिससे जस्टिन टूडो की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कम से कम 30से40सांसद एक पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयारहैं। हालांकि अगर इतने सांसद खिलाफ जाते हैं तो भी टूडो सरकार नहीं गिरेगी। कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में लिबरल पार्टी के पास 153 सीटें हैं।

टोरंटो सेंट में हार के बाद से कम से कम 20 नेताओं ने नेतृत्व में बदलाव के लिए दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। जून में उपचुनाव के बाद से लिबरल पार्टी के अंदर असंतोष पनप रहा है। यह अशांति मॉन्ट्रियल उपचुनाव में हार के बाद और बढ़ गई। एशिया में हाल के शिखर सम्मेलन में टूडो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ केटी टेलफोर्ड की अनुपस्थिति ने निराश सांसदों को एकजुट होने और आगे बढऩे की रणनीति बनाने में मदद की।

इजराइल ने यूएन पोस्ट पर किया हमला, दो पीसकीपर्स घायल

बेरूत,(ईएमएस)। इजराइल और लेबनान में जारी लड़ाई के बीच ईरान ने अरब देशों और मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगियों को चेतावनी दी है। ईरान ने कहा कि अगर किसी भी देश ने इजराइल को उस पर हमला करने में मदद की या अपने एयरस्पेस का इस्तेमाल करने दिया, तो उसे उसका खामियाजा भुगतना होगा।

दरअसल, ईरान के इजराइल पर मिसाइलों से हमला करने के बाद से इजराइल पलटवार की तैयारी कर रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में आशंका जताई गई है कि इजराइल ईरान के तेल भंडारों या परमाणु ठिकानों पर हमला कर सकता है। इधर इजराइल ने 48 घंटे में दूसरी बार लेबनान में यूपी पीस कीपिंग फोर्स पर हमला कर दिया है। यूएन ने कहा कि इजराइल ने नाकोरा शहर में उसके हेडक्वार्टर पर हमले किए जिसमें दो पीसकीपर्स घायल हो गए। ये दोनों श्रीलंका के नागरिक हैं।

भारत के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार में कमी,भारत के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के औद्योगिक उत्पादन में लगातार सस्ती देखने को मिल रही है। अगस्त माह में औद्योगिक उत्पादन की दर - 01 पर पहुंच गई। माइनिंग सेक्टर में 4.3 फ़ीसदी और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में 3.7 फ़ीसदी की गिरावट जनवरी 2024 की तुलना में देखने को मिली। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भी भारी गिरावट देखने को मिली है।

सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जो आंकड़े जारी किए गए हैं। उसके अनुसार माइनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। कहा जा रहा है कि अधिक बारिश के कारण औद्योगिक उत्पादन में कमी आई है। इसका असर माईनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर पर पड़ा है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 के पहले 5 महीने में लगभग दो फ़ीसदी औद्योगिक उत्पादन में औसत गिरावट हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में 3.71 अरब डॉलर घटकर, 701.18 अरब डॉलर पर आ गया है। भारत के गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 4 करोड डालर घटकर 65.75 अरब डॉलर पर आ गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सभी ओर से निराशाजनक समाचार मिलने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

डेटा लीक के बाद साइबरहैकर्स ने स्टार हेल्थ से 68,000 डॉलर की फिरौती मांगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी स्टार हेल्थ ने कहा कि उसे ग्राहक डेटा और मेडिकल रिकॉर्ड के लीक होने के मामले में एक साइबर हैकर से 68,000 डॉलर की फिरौती की मांग मिली है। स्टार हेल्थ का मार्केट कैप लगभग 4 बिलियन डॉलर है। कंपनी वर्तमान में प्रतिष्ठा और व्यावसायिक संकट से जूझ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक हैकर ने ग्राहकों के संवेदनशील डेटा को लीक करने के लिए टेलीग्राम चैटबॉट्स और एक वेबसाइट का इस्तेमाल किया था, जिसमें टैक्स विवरण और मेडिकल क्लेम पेपर शामिल थे। कंपनी जिसके शेयरों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है, ने आंतरिक जांच शुरू की है और टेलीग्राम और हैकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, जिसकी वेबसाइट स्टार ग्राहकों के डेटा के नमूने साझा करना जारी रखती है। स्टार, जिसने पहले कहा था कि वह एक लक्षित दुर्भावनापूर्ण साइबर हमले का शिकार है, ने हाल ही में पहली बार खुलासा किया कि अगस्त में धमकी देने वाले ने कंपनी के प्रबंध निदेशक और उसके प्रमुख को संबोधित एक ईमेल में 68,000 डॉलर की फिरौती की मांग की थी। कंपनी की तरफ से यह बयान तब आया जब भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों ने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट पर स्टार से स्पष्टीकरण मांगा कि कंपनी आरोपों की जांच कर रही है कि उसका मुख्य सुरक्षा अधिकारी डेटा लीक में शामिल था। स्टार ने कहा ?कि टेलीग्राम ने खाता विवरण साझा करने या हैकर से जुड़े खातों पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। कंपनी ने कहा कि उसने हैकर की पहचान करने में मदद करने के लिए भारतीय साइबर सुरक्षा अधिकारियों से सहायता मांगी है।

पाम आईल का आयात 33 फीसदी घटा

मुंबई (ईएमएस)। फेस्टिव सीजन में एक बार फिर आम जनता पर महंगाई की मार पड़ी है। खासकर खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के कारण। सितंबर में खाद्य तेलों की कीमतों में वृद्धि के चलते भारत का पाम ऑयल आयात एक महीने पहले की तुलना में लगभग एक तिहाई कम हो गया है। यह आयात छह महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि सूरजमुखी तेल का आयात दस महीनों में सबसे कम रहा।भारत मुख्य रूप से पाम ऑयल इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है लेकिन ऊंची कीमतों के कारण खरीद में कमी आई है। इसके परिणामस्वरूप इन देशों में खाद्य तेल का स्टॉक बढ़ने की संभावना है।

वाहनों की खुदरा बिक्री में 6.55 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री में 6.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीने में यानि अप्रैल-सितंबर 2024 के दरमियान हुई। आंकड़ों के अनुसार, गत 30 सितंबर को समाप्त छमाही में शहरी क्षेत्र में हर श्रेणी के वाहनों की बिक्री घटी है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री बढ़ी है।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष के पहले छह महीने में देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 1,19,15,963 इकाई पर रही। यह पिछले वित्त वर्ष की समान छमाही की 1,11,83,734 इकाई की तुलना में 6.55 प्रतिशत अधिक है। फाडा ने बताया कि पहली छमाही में ओवरऑल बिक्री शहरी क्षेत्र में 2.25 प्रतिशत घट गई। जबकि, ग्रामीण क्षेत्रों में इसमें 1.93 फीसदी की तेजी दर्ज की गई थी। इस अवधि में शहरी क्षेत्र में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 1.19 प्रतिशत, तिपहिया वाहनों में 7.27 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 1.20 प्रतिशत और यात्री वाहनों में 2.73 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ट्रैक्टरों की बिक्री भी 11.67 प्रतिशत कम रही। ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो दुपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 0.90 प्रतिशत, तिपहिया वाहनों की 7.38 प्रतिशत और यात्री वाहनों (कार, एसयूवी तथा वैन) की बिक्री 4.86 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 1.24 फीसदी और ट्रैक्टरों में 2.92 फीसदी की तेजी रही।

चीन के शेयर बाजार को 24 लाख करोड़ का पैकेज देगी सरकार

- भारतीय शेयर बाजार में मचेगा हड़कंप

मुंबई (ईएमएस)। शुक्रवार को कारोबार के अंतिम दिन गिरावट के साथ शेयर बाजार बंद हुए। सेंसेक्स में 230 अंक और निफ्टी में 34 अंक गिरावट देखने को मिली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक जिस तरह से अपना पैसा निकाल कर चीन में निवेश कर रहे हैं। उसके कारण भारतीय शेयर बाजार की हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। देसी निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में जो निवेश किया जा रहा है। वह भी मुनाफा वसूली की भेंट चढ़ रहा है।

चीन की सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रियल इस्टेट सेक्टर और शेयर बाजार में, भारतीय मुद्रा में 24 लाख करोड रुपए का पैकेज देने का ऐलान किया है। इस संभावना के कारण भारत के शेयर बाजार में हड़कंप की स्थिति देखने को मिल रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, चीन की सरकार द्वारा शेयर मार्केट को आर्थिक पैकेज दिए जाने के बाद, भारत में निवेशकों की निकासी बढ़ेगी। जिसके कारण शेयर बाजार को संभालना बड़ा मुश्किल होगा।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट के चलते, बैंकों और भारत के वित्तीय संस्थानों की आर्थिक स्थिति खराब होने की आशंका जताई जा रही है। जिसके कारण बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। ऐसी स्थिति में बैंक और शेयर बाजार दोनों ही अपने सबसे बड़े जोखिम के दौर से गुजर रहे हैं।

785 रुपए महंगा हुआ सोना,75500 के पार

मुंबई (ईएमएस)। शुक्रवार को घरेलू सराफा बाजार में सोने के दामों में भारी तेजी देखने को मिली। 24 कैरेट सोने के दाम 785 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़कर 75623 रुपए पर पहुंच गए। 22 कैरेट सोने के दाम भी 719 रुपया महंगा होकर 69271 रुपए पर बंद हुआ।

पिछले 6 दिनों में सोना 1.48 फ़ीसदी सस्ता हुआ था। अब सोने ने एक बार फिर छलांग लगना शुरू कर दिया है। सराफा बाजार के विशेषज्ञों का कहना है। इस साल के अंत तक 10 फ़ीसदी सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं। शेयर बाजार और बैंकिंग सेक्टर में आई अस्थिरता के कारण भारत में सोने के दामों में लगातार वृद्धि होने की संभावना बताई जा रही है। निवेश को सुरक्षित करने के लिए लोग बैंकों से पैसा निकालकर सोने में निवेश कर रहे हैं।

चीन ने अपने जासूसों की एक टीम को पाकिस्तान भेजा

बी?जिंग (ईएमएस)। कराची के जिन्ना इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर चीनी नागरिकों पर हुए आत्मघाती हमले की जांच के लिए चीन ने आधुनिक यंत्रों से सुसज्जित अपने जासूसों की एक टीम को पाकिस्तान भेजा है। इसके साथ ही चीनी विदेश मंत्रालय पाकिस्तान में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एक फरमान भी जारी किया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक हाल ही में हुई घटनाओं के चलते पाकिस्तान में सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो गई है। चीनी विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों को पाकिस्तान में मौजूद संकट को पूरी तरह से समझने पाकिस्तान की यात्रा करते समय सतर्क रहने और बलूचिस्तान तथा खैबर पख्तूनवा प्रांत जैसे उच्च जोखिम क्षेत्र की यात्रा करने से बचने की हिदायत दी है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पाकिस्तान में चीनी कर्मियों को वहां चल रही परियोजनाओं की सुरक्षा को लेकर अधिक सतर्क रहना चाहिए. साथ ही वहां मौजूद सुरक्षा स्टाफ को स्थानीय सुरक्षा स्थिति पर बारीकी से ध्यान देना चाहिए. चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान के अलावा वहां मौजूद चीनी स्टाफ को अपनी सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए और अपनी सुरक्षा सावधानियां को और मजबूत करना चाहिए। इसके साथ ही चीनी विदेश मंत्रालय ने आपातकालीन स्थिति में पाकिस्तान में चीनी दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क करने की हिदायत देते हुए उनके नंबर जारी किए हैं। वहीं जिन्ना इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर चीनी नागरिक पर आत्मघाती हमला करने वाली हमलावर का एक वीडियो अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी ने जारी किया है। संगठन का दावा है कि जिस हमलावर ने यह हमला किया वह बीबीए में पढ़ने वाला एक छात्र था। अपने वीडियो में हमलावर छात्र चीन को धमकी भी देते हुए कहता है कि आपके स्वार्थ का यहां स्वागत नहीं है। हम तब तक ना ही रखेंगे और ना ही यहां से भागेंगे जब तक आपसे बलूचिस्तान को आजाद नहीं करा देते। यह हमारी अंतिम चेतावनी है आपके इन्वेस्टमेंट को यहां आग लगा दी जाएगी। आपके नागरिक यहां सुरक्षित नहीं है और आपका साथ देने वालों को भी नुकसान सहना पड़ेगा। माना जा रहा है कि चीनी जासूसों की टीम इसलिए भी पाकिस्तान आई है क्योंकि चीनी प्रधानमंत्री अगले सप्ताह पाकिस्तान पहुंचने वाले हैं, साथ ही आतंकवादी संगठन की धमकी ने चीन को और अधिक चिंता में डाल दिया है।

ईरान के भूतिया बेड़े ने समंदर में मचा रखा है आतंक

वाशिंगटन(ईएमएस)।ईरान के भूतिया बेड़े ने समंदर में दहशत का माहौल बना रखा है। पूरे समंदर में ईरान के इस भूतिया बेड़े से खलबली मची है। जिस पर संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है। अमेरिका ने इस भूतिया बेड़े पर लगाए गए प्रतिबंधों की समय-सीमा को अब और भी बढ़ा दिया है। अमेरिका ने यह कदम पिछले दिनों इज़रायल पर ईरानी मिसाइल हमले के जवाब में उठाया है। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करते हुए उसके भूतिया बेड़े को रोक दिया है। ईरान की घोस्ट फ्लीट समंदर के रास्ते अवैध तरीके से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का दूसरे देशों में व्यापार करती है। मगर अमेरिका ने इस पर लगाए गए प्रतिबंध को और आगे बढ़ा दिया है। इससे ईरान को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रीय ईरानी तेल कंपनी के समर्थन में पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के शिपमेंट में उनकी भागीदारी में शामिल 16 संस्थाओं को नामित कर रहा है और 17 जहाजों को अवरुद्ध संपत्ति के रूप में पहचान की है। विदेश विभाग ने ईरान के हथियार कार्यक्रमों में धन के प्रवाह और आतंकवादी प्रतिनिधियों और साझेदारों के समर्थन को बाधित करने के लिए भी कदम उठाया। इसने तेहरान के पेट्रोलियम व्यापार में शामिल छह संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए और छह जहाजों को अवरुद्ध संपत्ति के रूप में पहचाना।

जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स...... अलग-अलग ब्रीड के हिसाब से देना होता है टैक्स

जर्मनी (ईएमएस)। जर्मनी में कुत्ता पालने पर टैक्स देना होता है। इस टैक्स से जर्मनी को अच्छी कमाई होती है। भारतीय मुद्रा के हिसाब से 3866 करोड़ रुपए की कमाई। दरअसल जर्मनी में अलग अलग नगरपालिकाएं डॉग ओनर्स से टैक्स वसूलती हैं। जर्मनी में लोग खूब कुत्ते पालते हैं। हालांकि अलग अलग ब्रीड के कुत्तों पर लगाने वाले टैक्स की रकम भी अलग अलग होती है। ऑस्ट्रिया में भी कुत्ते के मालिकों को अपने पालतू जानवरों को रजिस्ट्रेशन कराना होता है। स्विट्जरलैंड में भी ये टैक्स होते हैं। नीदरलैंड में नगर पालिकाएं इसके लिए अलग-अलग टैक्स लगाती हैं। जो अलग शहर और नगरपालिकाओं के अनुसार होता है।भारत में भी इस तरह के टैक्स की अवधारण जनवरी 2023 में पेश की गई थी, जिसे हरकत में नहीं लाया जा सका।

जर्मनी में अगर आप कुत्ता पालना चाहते हैं, तब आपको किसी ब्रीडर के पास जाना होगा। कई लोग विदेश से भी कुत्ता गोद लेकर जर्मनी लाते हैं। इसके लिए काफी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती है। आप जहां रहते हैं, वहां की नगर पालिका एक सालाना टैक्स लेती है। यह टैक्स कुत्ता पालने पर लिया जाता है। हालांकि पालतू बिल्लियां इस टैक्स के दायरे में नहीं आतीं। टैक्स की रकम एक जैसी नहीं है। ये घर में कुत्तों की संख्या या कुत्ते की ब्रीड के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। यहां तक अगर डॉग के बच्चा हो रहा तब भी तीन महीने के भीतर उसका रजिस्ट्रेशन कराना होता है। आमतौर पर नगर पालिका के दफ्तर, या टाउन हॉल जाकर रजिस्ट्रेशन कराया जाता है। कुछ शहरों और नगर पालिकाओं में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की भी सुविधा है। कुत्ते के गुम होने या उसकी मौत होने पर भी विभाग को सूचना देना जरूरी है। जरूरी नहीं कि टैक्स से मिली रकम खास पालतू जीवों से जुड़ी सर्विस में खर्च हो। इस नगर पालिका कई तरह के मद में, जैसे कि सामुदायिक सेवाओं पर खर्च कर सकती है।

कुत्तों की वॉक उनकी एक जरूरी दिनचर्या है। कुत्ता सुबह शाम बाहर घूमे बगैर नहीं मानता। मल भी कुत्ता बाहर ही करते हैं। लिहाजा जब सुबह शाम वहां वाक करने जाते हैं, तब सार्वजनिक स्थानों पर ही मल करते हैं। इस मल को डॉग ओनर को थैलियों में भरकर उनके लिए बने कूड़ेदानों में फेंकना होता है। जो जर्मनी में सड़क किनारे, नदियों के पास बने रास्तों पर या पार्कों में खास कूड़ेदान लगाए जाते हैं। नगर पालिका इससे संबंधित जो सफाई करती है, उसकी भरपाई टैक्स से करती है।

सूरत में गेस्टहाउस की आड़ में चल रहे 5 गिरोह पर पुलिस की छापेमारी...

सूरतः,13 अक्टूबर

पुलिस ने सूरत रेलवे स्टेशन के पास एक गेस्ट हाउस में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने वराछा में एक स्पा के अंदर चल रहे रैकेट को भी पकड़ा है. वर्षों से गेस्टहाउस की आड़ में गुर्गों को संचालित करने के आरोप में चार गेस्टहाउस मालिकों, प्रबंधकों और ग्राहकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को यहां से 13 महिलाएं भी मिलीं. इस संबंध में महिधरपुरा थाने में शिकायत भी दर्ज करायी जाये.

प्राप्त विवरण के अनुसार, सूरत के रेलवे स्टेशन क्षेत्र के पास होटलों और गेस्टहाउसों में चल रहे वेश्यालय की शिकायतों के बाद क्राइम ब्रांच ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिक यूनिट को इस दिशा में प्रशिक्षित किया था। जिसमें पुलिस को जानकारी मिली कि शायल गेस्ट हाउस, उदय गेस्ट हाउस, विजय रेस्ट हाउस और पारस गेस्ट हाउस में इस तरह की हैकिंग चल रही है. बाद में पुलिस ने लांबे हनुमान गराना स्थित गेस्ट हाउस पर छापा मारा. जहां एक कमरे में एक पुरुष और एक महिला गंभीर हालत में पाए गए. कमरे की तलाशी के दौरान 1 मोबाइल फोन, 3800 रुपये नकद और कुल 6800 रुपये जब्त किये गये.

इस गेस्टहाउस का मालिक जहीर मोहम्मद करीम मालेक अपने गेस्टहाउस में मैनेजर अशरफ इकबाल मालेक के साथ मिलकर सेक्स रैकेट चला रहा था। मैनेजर अशरफ इकबाल मालेक और ग्राहक सूरज महेश राम को पुलिस ने हिरासत में लिया है. जब गेस्ट हाउस के मालिक को वांछित घोषित कर दिया गया. इसे लेकर महिधरपुरा पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है. इसके अलावा पुलिस ने विजय और पारस गेस्टहाउस पर भी छापेमारी की. जिसके मालिक कौशिक मोदी और राकेश मोदी ने दलालों के माध्यम से छह भारतीय मूल की महिलाओं को यहां रखा और यहां देह व्यापार कराते थे। दोनों गेस्टहाउस से 2 मोबाइल, 11,400 रुपये नकद और कुल 41,400 रुपये जब्त किये गये.

इसके अलावा वराछा पुलिस को स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट चलने की जानकारी मिली थी. इसके आधार पर पुलिस ने एक डमी ग्राहक को यहां भेजा और वेश्यालय का भंडाफोड़ कर दिया. पुलिस ने यहां से 2 मोबाइल, नकदी समेत कुल 10200 रुपये का कीमती सामान जब्त किया है. पुलिस को 2 महिलाएं भी मिलीं.

राष्ट्र व समाज के सजग प्रहरी के रूप में राष्ट्र निर्माण में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्णः मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के नवा नरोडा में विश्व संवाद एजुकेशन द्वारा फाउंडेशन संचालित पत्रकारिता महाविद्यालय के भवन के शनिवार को आयोजित भूमिपूजन अवसर पर कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र के भवन का चौथा स्तंभ है। किसी भी भवन के सभी नींव सुदृढ़ होनी आवश्यक हैं। ऐसे में लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की स्थिरता तथा सुदृढ़ता अत्यंत आवश्यक है। लोकतंत्र, राष्ट्र व समाज के सजग प्रहरी के रूप में राष्ट्र निर्माण में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भूपेन्द्र पटेल ने पिछले 16 वर्षों से कार्यरत संस्था के विस्तार के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि किसी भी संस्था या समाज के विकास के लिए योजनाबद्ध एवं सातत्यपूर्ण प्रयास जरूरी होते हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का उदाहरण देते हुए कहा कि आज विजया दशमी पर आरएसएस का 100वें वर्ष में प्रवेश हुआ है, जो सातत्यपूर्ण प्रयासों का ही परिणाम है। वर्तमान समय में पत्रकारिता के महत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि आज का समय जब ब्रेकिंग का समय है, तब उन्होंने समाचारों में सत्यता एवं सातत्यता के संबंध में सत्य तथा यथार्थ के समन्वय और विवेक पर भी बल दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म (एनआईएमसीजे) के प्रतिभाशाली विद्यार्थी 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' का संकल्प साकार करने में अमूल्य योगदान देंगे।

समारोह में एनआईएमसीजे के प्रबंध निदेशक प्रदीप जैन ने वर्ष 2007 में स्थापित संस्थान के विकास तथा विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह संस्थान गुजरात विश्वविद्यालय (जीयू) से संलग्न है और संस्थान को इंटर्नल क्वॉलिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) तथा पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा प्रमाणित किया गया है, जबकि पत्रकारिता विभाग के प्रमुख डॉ. शिरीष काशीकर ने बताया कि आगामी वर्ष से इस नए परिसर में आधुनिक संसाधानों, सुविधाओं और पाठ्यक्रमों के साथ महाविद्यालय कार्यरत होगा। इस अवसर पर विधायक अमित शाह व बाबूभाई पटेल, अग्रणी सुरेन्द्र पटेल, गोरधन झडफिया, मुकुंदराव देवभाणकर, विश्व संवाद फाउंडेशन के ट्रस्टी हरेश ठक्कर, डॉ. भरत पटेल, अश्विन शाह, ब्रिजेश चिनाई, रीतेश सराफ, विजय चोथाईवाले सहित कई महानुभाव उपस्थित रहे।

वडोदरा शहर-जिले में बाढ़ प्रभावितों को 73 करोड़ से अधिक की सहायता

वडोदरा (ईएमएस) जिला-शहर में अगस्त महीने में भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान के लिए वडोदरा प्रशासन ने प्रभावित परिवारों और छोटी-बड़ी वाणिज्यिक इकाइयों को कुल 73.73 करोड़ रुपये वितरित किए जाने की खबर है। वडोदरा शहर के 3,38,844 और ग्रामीण क्षेत्रों के 25,324 सहित कुल 3,64,168 बाढ़ पीड़ितों को केश डोल्स के तहत 8.84 करोड़ रुपए, 65,520 शहरी और 9,885 ग्रामीण सहित कुल 75,405 परिवारों को घरेलू सहायता के तहत 37.70 करोड़ रुपये की सहायता राशि उनके बैंक खातों में जमा की गई है। वडोदरा के बाढ़ प्रभावित व्यापारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल द्वारा घोषित विशेष राहत पैकेज का लाभ जिला प्रशासन द्वारा दिया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा सर्वेक्षण के बाद अब तक कुल 12,341 छोटी-बड़ी व्यावसायिक इकाइयों को 24.19 करोड़ रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में जमा की गई है। जिसमें शहर में छोटी लॉरी या रेहड़ी, छोटे स्टैंडिंग केबिन, बड़े केबिन वाले व्यापारियों का भी सर्वे कर उन्हें राहत पैकेज का लाभ दिया गया है। इसके अलावा छोटे और मध्यम स्तर की बेकरी की दुकानें रखने वाले व्यापारियों को भी राहत पैकेज के तहत मदद की गई हैं

गुजरात सरकार का बड़ा फैसला, प्लास्टिक कचरे से बनेगी सड़क!

गांधीनगर,13 अक्टूबर

गुजरात सरकार की ओर से एक बड़ा फैसला लिया गया है. मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य में सड़कों के निर्माण में प्लास्टिक कचरे का उपयोग कर टिकाऊ सड़कों के निर्माण के साथ-साथ पर्यावरण सुधार के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस हेतु मुख्यमंत्री ने कुल 104.96 कि.मी. 13 सड़कों का शिलान्यास किया। लंबाई में सड़क सुधार के लिए112.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इतना ही नहीं, मानसून के दौरान भारीट्रैफिकऔर ओवरटॉपिंग वाली 20 सड़कों की कुल 93.33 किमी. अनुदैर्ध्य मार्ग सी.सी. सड़क निर्माण के लिए 300.57 रुपये स्वीकृत किये गये हैं.

7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला और राज्य के विकास को एक नई दिशा दी। इस सफल सुशासन के 23 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में प्रदेशव्यापी 'विकास सप्ताह' मनाया जा रहा है। इस विकास सप्ताह समारोह में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने विभिन्न विकास कार्यों के शुभारंभ, नये विकास कार्यों को मंजूरी देने की पहल में प्लास्टिक कचरे का उपयोग कर सड़कों को बेहतर बनाने का दृष्टिकोण अपनाया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे निर्माण कार्यों में प्लास्टिक कचरे के बढ़ते उपयोग के माध्यम से भारत के लिए सतत विकास का दृष्टिकोण दिया है। अपने दृष्टिकोण को साकार करते हुए, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गुजरात को अग्रणी बनाने के उद्देश्य से सड़क सुधार कार्यों में प्लास्टिक कचरे के उपयोग को बढ़ावा दिया है। सड़क सुधार और नए निर्माण में प्लास्टिक कचरे का उपयोग आने वाले दिनों में पर्यावरण सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण हो जाएगा। इसके अलावा सड़कों की मजबूती बढ़ने के साथ-साथ उनका जीवन चक्र भी बढ़ेगा और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा.

गुजरात में गणित के शिक्षकों को रु. 64 लाख का जुर्माना

गांधीनगर,13 अक्टूबर

एक बोर्ड छात्र के लिए हर अंक महत्वपूर्ण होता है. लेकिन गुजरात बोर्ड परीक्षा में गणित के शिक्षकों ने ही अंकों की गलत गणना कर दी. जिसके चलते शिक्षा विभाग ने शिक्षकों से जुर्माना वसूला. अनुसूचित जनजाति। 10 गुजरात बोर्ड परीक्षा में एक छात्र को गणित में उम्मीद से कम अंक मिले। था इसलिए उन्होंने पेपर का दोबारा मूल्यांकन कराया, जिसमें 30 अंक बढ़ गए। एक छात्र की शिकायत के बाद शिक्षा विभाग ने दोषी शिक्षकों पर जुर्माना लगाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुजरात बोर्ड सेंट. 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में पेपर चेकिंग में गलती करने वाले 4,488 शिक्षकों से 64 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया. शिक्षा विभाग के मुताबिक गलती करने वाले शिक्षक खुद गणित पढ़ाते हैं, जो चिंता का विषय है. कई छात्रों ने उच्च शिक्षा का आधार बनने वाले परीक्षा पत्र की मार्किंग में गलती की शिकायत की।

शिक्षकों पर जुर्माना लगाने के बाद, गणित और विज्ञान के पेपर में अंकों का पुनर्मूल्यांकन करने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई। केवल 10वीं कक्षा में पेपर चेकिंग में गलती करने वाले 1654 शिक्षकों से 20 लाख रुपये वसूले गए। प्रत्येक गलती के लिए शिक्षक से 100 रुपये वसूले जाते थे। 12वीं कक्षा के पेपर जांचने में गलती करने वाले 1404 शिक्षकों से 24.31 लाख और विज्ञान विषयों में गलती करने वाले शिक्षकों से 19.66 लाख रुपये वसूले गए।

गुजरात माध्यमिक ठाकर संघ के अध्यक्ष किरीटसिंह महिदा ने कहा कि शिक्षकों द्वारा की गई कुछ सामान्य गलतियों में कुल अंकों को आगे बढ़ाने में विफलता, विशिष्ट उत्तरों के लिए दिए गए अंकों की उपेक्षा करना और आधे अंकों को पूर्णांकित नहीं करना शामिल है। जीएसईबी के उपाध्यक्ष दिनेश पटेल ने कहा कि जुर्माना यह सुनिश्चित करने के लिए लगाया गया है कि शिक्षक अंकन प्रक्रिया में सतर्क रहें। इस साल, गुजरात में लगभग 40,000 से 45,000 शिक्षक कक्षा 10 की उत्तर पुस्तिकाओं की ग्रेडिंग में शामिल थे। इस मामले में गुजरात राज्य शिक्षा बोर्ड (उएँ) ने बड़ी कार्रवाई की है. बोर्ड द्वारा कक्षा 10 और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में गलत तरीके से अंक देने के लिए कुल 4,488 शिक्षकों पर जुर्माना लगाया गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, इन गलतियों के कारण 4,488 शिक्षकों को 64 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा. गलती करने वाले शिक्षक खुद गणित पढ़ाते हैं, जो चिंता का विषय है. दोषी शिक्षकों में 100 से अधिक शिक्षक ऐसे हैं, जिन्होंने 10 या उससे अधिक अंकों की गलतियां की हैं। कई छात्रों ने उच्च शिक्षा का आधार बनने वाले परीक्षा पत्र के अंकों में गलती की शिकायत की।

अंकलेश्वर से 5 हजार करोड़ की ड्रग्स जब्तः गुजरात और दिल्ली पुलिस का संयुक्त ऑपरेशन...

अंकलेश्वर,13 अक्टूबर

जैसे-जैसे गुजरात में दवाओं के लिए रेशम मार्ग बनता जा रहा है, राज्य भर से दवाएं मंगाई जा रही हैं. फिर औद्योगिक आस्थान अंकलेश्वर से ड्रग्स का काला कारोबार पकड़ा गया है. दिल्ली और गुजरात पुलिस ने संयुक्त अभियान में भरूच के अंकलेश्वर से 5000 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की है. दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में 5,000 करोड़ रुपये की 518 किलोग्राम कोकीन जब्त की है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, दिल्ली और गुजरात पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर 5000 करोड़ की कोकीन जब्त की है। दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया. जिसमें 5,000 करोड़ रुपये की 518 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई है. यह संयुक्त तलाशी अभियान केंद्र सरकार की नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति और 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत चलाया गया.

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस ने रविवार को भरूच के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी में छापेमारी के दौरान 518 किलो कोकीन जब्त की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5,000 करोड़ रुपये है. इससे पहले 1 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महिपालपुर में तुषार गोयल नाम के शख्स के गोदाम पर छापा मारकर 562 किलो कोकीन और 40 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा की खेप जब्त की थी. जांच के दौरान 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से करीब 208 किलो अतिरिक्त कोकीन बरामद हुई. जांच के दौरान पता चला कि जब्त की गई दवा फार्मा सॉल्यूशन सर्विसेज नाम की कंपनी की है और यह गुजरात के अंकलेश्वर की अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी की है. इस मामले में अब तक कुल 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक थाईलैंड कैनबिस बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये है।

दिल्ली के रमेश नगर में एक दुकान से करीब 208 किलो कोकीन जब्त की गई. उस मामले की जांच के दौरान पता चला कि यह दवा गुजरात के अंकलेश्वर की अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से आई थी. इस मामले में अब तक कुल 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक थाई कैनबिस बरामद किया गया है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये है। फिलहाल ईडी की टीम दिल्ली के वसंत विहार में आरोपी और आरटीआई सेल, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष तुषार गोयल के घर और राजौरी गार्डन में उनके और उनकी पत्नी के घर के साथ-साथ प्रेम नगर में आरोपी हिमांशु के घर, मुंबई के नालासोपारा में भरत कुमार के घर पर है। और दिल्ली के झंडेवालान में तुषार बुक पब्लिकेशन के अलावा गुरुग्राम में बिल्डिंगटेक प्राइवेट लिमिटेड के दफ्तर पर छापेमारी कर रही है.

कल दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रमेश नगर इलाके में छापेमारी कर 2000 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की थी. इससे पहले 1 अक्टूबर को स्पेशल सेल ने महिपालपुर में छापेमारी कर 5600 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की थी. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अब तक इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके ठिकानों से 7600 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की है. इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने 7000 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद की है और 6 लोगों को लुकआउट सर्कुलर भेजा है. इसमें भारतीय मूल का एक ब्रिटिश नागरिक भी शामिल है, जो पश्चिमी दिल्ली से 208 किलोग्राम ड्रग्स की बरामदगी से पहले देश छोड़कर भाग गया था।

सामूहिक दुष्कर्म की घटना के आरोपियों का एनकाउंटर किया जाना चाहिए-बीजेपी विधायक शैलेश मेहता

वड़ोदरा ,13 अक्टूबर

गुजरात में नवरात्रि उत्सव के दौरान बेटियों के साथ बलात्कार और सामूहिक बलात्कार की घटनाएं हुईं। जिसमें एक घटना वडोदरा जिले के भायली में हुई. इसे लेकर बीजेपी के फायरब्रांड नेता और दाभोई विधायक शैलेश मेहता (सोट्टा) ने मांग की है कि सामूहिक दुष्कर्म की घटना के आरोपियों का एनकाउंटर किया जाना चाहिए. अब वडोदरा के वार्ड नंबर 15 के बीजेपी पार्षद आशीष जोशी द्वारा सोशल मीडिया पर किया गया एक पोस्ट वायरल हो गया है. जिसमें उन्होंने कहा है कि जो लोग अपराधियों को कड़ी सजा देने की बात करते हैं उन्हें पहले अपना गुनाह कबूल करना चाहिए और फिर उन्हें सलाह देनी चाहिए. इसके बाद इस पोस्ट को विधायक के बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है. इसे लेकर वडोदरा बीजेपी की अंदरूनी कलह सामने आ रही है.

वडोदरा बीजेपी नेताओं के बीच तनातनी पहले भी सामने आ चुकी है. फिर एक बार फिर वडोदरा बीजेपी में नई कलह सामने आई है. वडोदरा बीजेपी में अंदरूनी कलह की तस्वीर सामने आई है. क्योंकि कुछ दिन पहले विधायक शैलेश मेहता ने रेप के आरोपियों को फांसी देने और एनकाउंटर करने का बयान दिया था. फिर अब बीजेपी के पार्षद ने उनके खिलाफ कुछ ऐसा पोस्ट किया है, जिससे ये राजनेताओं के बीच चर्चा का विषय बन गया है. शैलेश मेहता के बयान के कुछ ही घंटों के भीतर शैलेश मेहता के निजी तथाकथित भाजपा पार्षद आशीष जोशी ने विधायक पर परोक्ष रूप से तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया. बीजेपी विधायक शैलेश मेहता और बीजेपी पार्षद आशीष जोशी काफी करीबी थे. दोनों ने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ काम किया है। हालांकि, किसी वजह से दोनों के रिश्ते में दरार आ गई है। जिसे अब तक कम ही लोग जानते थे. हालांकि, पार्षद की इस पोस्ट के बाद अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ गई है.

दशहरे के दिन खिलाड़ियों ने सूरत में बारिश का भी डटकर सामना किया।

सूरत,13 अक्टूबर

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, गरबा से एक दिन पहले दशहरे पर सूरत में बारिश की जोरदार एंट्री हुई. हालाँकि, बारिश की तीव्रता के बावजूद खिलाड़ियों का जोश भारी था। सूरत में दशहरे के दिन मूसलाधार बारिश में भी खिलाड़ी जुटे रहे गरबा के दौरान बारिश की तूफानी एंट्री के बावजूद खिलाड़ियों ने मैदान नहीं छोड़ा. गरबा, बारिश की परवाह किए बिना शहर के कई इलाकों में जोरदार गरबा हुआ।

सूरतमेंनवरात्रिके नौ दिनों तक बिजनेस गरबाकेसाथ-साथकईआवासीय सोसायटियों में बड़े पैमाने पर गरबा का आयोजन किया गया. नौ दिनों से कुछ दिनों तक बारिश की हल्की रुकावट रही लेकिन दशहरे के दिन सूरत के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई। बारिश ऐसी हो रही थी मानो सुरतियों को गरबा नहीं खेलने देना चाहती हो। लेकिन सूरत के खिलाड़ी भी मैदान पर ऐसे डटे हुए थे मानो बारिश को चुनौती दे रहे हों, कल सूरतियों ने बारिश में रावमा का मज़ाक ढूंढा और पार्किंग पैसेज में गरबा खेला, लेकिन आज बारिश का ज़ोर ज़्यादा था और. इसके विरोध में सूरतियों में गरबा खेलने का जोश भी देखा गया।

हिम्मतनगर सब जेल में POCSO मामले में आरोपी ने बैरक के शौचालय में लगाई फांसी...

हिम्मतनगर13 अक्टूबर

गुजरात के साबरकांठा जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। हिम्मतनगर सब जेल में बंद 24 वर्षीय विचाराधीन कैदी ने बैरक के शौचालय में फांसी लगा ली। कैदी पर नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोप था. पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि घटना शनिवार सुबह की है और यह हिम्मतनगर बी डिवीजन पुलिस स्टेशन की रोजनामचे में दर्ज है.

हिम्मतनगर जिला जेल अधीक्षक जेजी चावड़ा ने कहा, शनिवार सुबह जब कैदी जेल में नाश्ते के लिए कतार में लगे थे, तभी विपुल मथासुलिया ने बैरक की पहली मंजिल पर शौचालय के वेंटिलेटर से रस्सी बांधकर फांसी लगा ली।

खुदकुशी करने वाले आरोपी विपुल मथासुलिया पर नाबालिग से रेप का आरोप था. उसके खिलाफ इ्धणएध के तहत मामला दर्ज किया गया था. इस संबंध में जेल अधीक्षक ने बताया कि वह जुलाई से उप कारा में बंद था.

उन्होंने कहा कि यह पता नहीं चल पाया है कि कैदी ने यह कदम क्यों उठाया. शव को फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम के लिए अहमदाबाद भेजा गया है और आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री के करकमलों से 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल' का शुभारंभ

- एएमसी और राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम से आयोजित शॉपिंग फेस्टिव 14 जनवरी, 2025 तक चलेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने को 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल' का भव्य शुभारंभ कराया। भूपेन्द्र पटेल ने बच्चों के साथ आकाश में गुब्बारे उड़ा कर शॉपिंग फेस्टिव का प्रारंभ कराया। इस अवसर पर आतिशबाजी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे आकर्षणों के साथ अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिव का शानदार शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विभिन्न स्टॉल्स पर गए और उन्होंने आशावली स्टॉल से साड़ी तथा अकीक की ट्रे खरीदी। उन्होंने इसका डिजिटल पेमेंट किया। मुख्यमंत्री ने टेबल टेनिस भी खेला। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर इस शॉपिंग फेस्टिवल से जुड़ी फिल्म भी लॉन्च की।

अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) तथा राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित यह शॉपिंग फेस्टिवल 12 अक्टूबर, 2024 से 14 जनवरी, 2025 तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि विदेशी धरती पर जिस प्रकार शॉपिंग फेस्टिव का आयोजन किया जाता है, उसी तर्ज पर देश में शॉपिंग फेस्टिव का प्रारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2019 में अहमदाबाद में कराया था। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल 2024-25' का आयोजन किया गया है। यह फेस्टिवल 4 मुख्य शॉपिंग डिस्ट्रिक्ट्स सिंधु भवन रोड, सीजी रोड, निकोल मॉडर्न स्ट्रीट तथा काँकरिया-रामबाग के अतिरिक्त; साबरमती रिवरफ्रंट, माणेकचौक, लॉ गार्डन, गुर्जरी बाजार, साइंस सिटी, वस्त्रापुर, प्रह्लादनगर रोड तथा शॉपिंग मॉल्स (उदाहरण के रूप में; अहमदाबाद वन मॉल, पैलेडियम मॉल, इस्कॉन सीजी स्क्वेयर, पैवेलियन मॉल) सहित 14 निर्धारित हॉटस्पॉट्स में आयोजित किया गया है। 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल' के शुभारंभ अवसर पर सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, अहमदाबाद पश्चिम के सांसद दिनेश मकवाणा, स्थानीय विधायकगण, उप महापौर जतिन पटेल, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष देवांग दाणी, प्रधान सचिव राजीव टोपनो, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ विभाग के प्रधान सचिव अश्विनी कुमार, मनपा आयुक्त एम. थेन्नारसन, मनपा अधिकारी-पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नगरजन उपस्थित रहे।

'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिव 2024-25' के मुख्य आकर्षण

अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल में अधिक से अधिक लोगों को आकर्षित करने के लिए मनपा द्वारा अहमदाबाद को विशेष रूप से शॉपिंग डिस्ट्रिक्ट्स, हॉटस्पॉट्स, महत्वपूर्ण भवनों एवं पुलों पर व्यापक लाइटिंग तथा साज-सज्जा केसाथ वंडरलैंड में परिवर्तित किया गया है। विभिन्न स्थानों पर लाइट टनल, सेल्फी पॉइंट्स एवं थीम आधारित लाइट डेकोरेशन किया गया है। विजिटर्स की सुविधा के लिए अहमदाबाद मनपा परिवहन सेवा (एएमटीएस) की डबल-डेकर इलेक्ट्रिक बसों को इवेंट के लिए ब्रैंडेड किए गए है, जो शहर के विभिन्न रूटों पर सेवा प्रदान करेंगी, जिससे लोगों को शॉपिंग डिस्ट्रिक्ट्स में पहुँचने में सरलता रहेगी। इसके अतिरिक्त; म्यूजिक फेस्टिवल, फ्ली मार्केट्स, स्टैंड-अप कॉमेडी शो, नुक्कड़ आधारित संगीत एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी, फैशन शो, मैजिक शो, कविता पठन तथा गुजराती फिल्मों की स्क्रीनिंग आदि आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। इतना ही नहीं; रेसिंग, बॉक्सिंग, मैराथन, साइकलिंग, हैप्पी स्ट्रीट इवेंट्स, रोबो फाइट, ड्रोन शो तथा फायर शो जैसी खेल-कूद की विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन किया गया है। इसके साथ ही; खरीदारों का उत्साह बढ़ाने तथा वे अधिकतम् छूट का आनंद ले सकें, लकी ड्रॉ में भाग ले सकें, आकर्षक पुरस्कार जीत सकें और विभिन्न कूपनों का लाभ ले सकें; इसके लिए भी आयोजन किया गया है। 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिव 2024-25' का मुख्य उद्देश्य शहर की वाइब्रेंट सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करना, शहर की अर्थव्यवस्था को गति देना तथा अहमदाबाद को हर वर्ष शॉपिंग के आतुर लोगों के लिए आवश्यक विजिटिंग स्पॉट बनाना है।

इस आयोजन से शहर, राज्य व देश के नागरिकों, विदेशी पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों को शहर तथा राज्य की विविधतापूर्ण वस्तुओं, हस्तकला, आधुनिक संसाधानों और उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी का अनुभव देने के साथ शहर के व्यापारी वर्ग को भी प्रोत्साहन प्रदान करने के सभी प्रयास किए गए हैं। गुजरात की बिजनेस प्रोडक्ट्स-सेवाओं की ब्रैंडिंग तथा प्रमोशन एवं उसकी सूची के लिए इंटीग्रेटेड वेब पोर्टल तैयार किया जाएगा। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयोग किया जाएगा, जिससे खरीदारों को आवश्यक जानकारी मिले। ब्रैंडिंग के लिए एलईडी स्क्रीन, होर्डिंग्स, गैंट्री, सड़कों की सतह को एएसएफ लोगों के साथ चित्र उकेर कर, वॉल पेंटिंग, बड़े बैनरों, लाइट इन्स्टॉलेशन, शॉपिंग बैग तथा मर्केंडाइज आदि का उपयोग किया जाएगा। रेडियो, टीवी, समाचार पत्रों तथा डिजिटल मीडिया का सहयोग भी प्राप्त किया जाएगा। इस फेस्टिवल के माध्यम से अहमदाबाद में लगभग 8 लाख फुटफोल की आशा है, जो शहर की अर्थव्यवस्था तथा व्यवसाय की सहायता करेगा और इसके बदले में गुजरात के युवाओं व लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

सूरत मेयर की फिसली जुबान, दशहरे पर बोले- 'झूठ पर सत्य की जीत हुई'

अपडेट किया गयाः 13 अक्टूबर, मेयर दक्षेश मवानी की जुबान टूट गईः गुजरात में सूरत के लिंबायत में आयोजित दशहरा कार्यक्रम में मेयर दक्षेश मवानी की जुबान टूट गई। दशहरा भाषण के दौरान दक्षेश मवानी की जुबान फिसल गई और उन्होंने कहा कि असत्य पर सत्य की जीत के बजाय, सत्य पर झूठ की जीत हुई है. मेयर के इस अपमान के बाद वह खुद ही हंसने लगे. मेयर ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा, 'आज सच पर झूठ की जीत हुई. फिर उसे साइड से थपथपाया गया. माइक बंद करके उन्होंने बगल में बैठे व्यक्ति से बात की और उन्हें एहसास हुआ कि उसने क्या कहा है। बाद में उन्होंने सुधार करते हुए कहा, क्षमा करें. असत्य पर सत्य की विजय हुई।

पश्चिम रेलवे द्वारा बान्द्रा टर्मिनस से लाल कुआँ के बीच साप्ताहिक ट्रेन की शुरुआत

भारतीय रेल ने देश के उत्तरी हिस्से के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाने वाली एक नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा की शुरुआत करके मुंबईकरों को इस त्योहारी सीजन में प्रसन्नता का एक और अवसर प्रदान किया है। माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास आठवले और माननीय विधायक श्री आशीष शेलार ने 13 अक्टूबर 2024 को बान्द्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन से बान्द्रा टर्मिनस-लालकुआँ एक्सप्रेस के उद्घाटक सेवा को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री नीरज वर्मा भी मौजूद थे, जिन्होंने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09015 बान्द्रा टर्मिनस-लालकुआँ सुपरफास्ट स्पेशल के रूप में परिचालित उद्घाटक ट्रेन बान्द्रा टर्मिनस से 16:20 बजे रवाना होकर अगले दिन 19:45 बजे लालकुआँ पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, भरतपुर, मथुरा जं., हज़रत निज़ामुद्दीन, गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर और रुद्रपुर सिटी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे हैं।

अपने नियमित सेवा तौर पर यह ट्रेन ट्रेन संख्या 22543/22544 बान्द्रा टर्मिनस-लालकुआँ एक्सप्रेस के रूप में चलाई जाएगी। यह ट्रेन मुंबई के व्यस्त पश्चिमी उपनगरों और एक खूबसूरत राज्य उत्तराखंड के बीच रेल यात्रा को काफी बेहतर बनाने के लिए तैयार है, जिससे यात्रियों के लिए धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुँचना आसान हो जाएगा। इस सेवा से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, विशेष रूप से मार्ग के साथ स्थानीय व्यवसायों, पर्यटन और व्यापार को भी लाभ होगा। यह ट्रेन कनेक्टिविटी बढ़ाने और खासकर त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को

साथ जीने के लिए युगल ने एक वृद्ध की हत्या कर शव फूंक दिया, ढाई महीने बाद मामले का पर्दाफाश

कच्छ (ईएमएस) कच्छ से एक चौंका देनेवाली घटना सामने आई है, जिसमें एक प्रेमी युगल ने साथ जीने के लिए एक निर्दोष वृद्ध की हत्या कर दी और बाद में उसका शव भी जला दिया हालांकि युगल का पाप ज्यादा दिनों तक छिप नहीं पाया और ढाई महीने बात पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया पुलिस ने युगल को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं दरअसल कच्छ जिले के खावडा पुलिस थाने में गत जुलाई को सूचनार्थ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसकी जांच में 5 जुलाई 2024 को एक कंकाल बरामद हुआ था मामले की गहराई से जांच का आदेश मिलने के बाद घटनास्थल से एफएसएल अधिकारी की मौजूदगी में पंचनामा किया गया और जरूरी सैंपल लेकर डीएनए के लिए डीएसएफ गांधीनगर और अन्य सैंपल एफएसएल राजकोट भेजे गए थे जांच में स्पष्ट हो गया कि बरामद कंकाल मानव का था, जिसके बाद पुलिस की जांच तेज हो गई दूसरी ओर घटना के ढाई महीने बाद साकराभाई केरासिया ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी ने अपने प्रेमी के साथ जीने के लिए अपनी आत्महत्या का नाटक रच गंभीर अपराध को अंजाम दिया हैं जिसके बाद पुलिस ने आरोपी प्रेमी युगल को रापर से गिरफ्तार कर लिया पुलिस की पूछताछ में आरोपी युगल ने अपना अपराध कबूल भी कर लिया हैं पूछताछ में खुलासा हुआ कि रामी केरासिया और उसका प्रेमी अनिल गांगल जुलाई महीने में एक लावारीस लाश की तलाश कर रहे थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली गत 3 जुलाई को अनिल कच्छ जिले की भुज तहसील में हमीरसर तालाब के बैंच पर बैठा था उस वक्त एक वृद्ध बैंच पर आकर बैठ गए अनिल ने वृद्ध से उनका नाम पूछा और उन्होंने भरत भाटिया के रूप में अपनी पहचान दी साथ ही यह बताया कि उनके परिवार में आगे पीछे कोई नहीं हैं जिसके बाद अनिल ने वृद्ध का पीछा किया और रात करीब 12 बजे कार लेकर उनके पास पहुंच गया अनिल ने वृद्ध को जबरन कार में बिठाया और रास्ते में ही गला घोंट उन्हें मौत के घाट उतार दिया जिसके बाद वृद्ध भरत भाटिया का शव लेकर आरोपी अनिल अपने गांव खारी ले गया जहां प्रेमिका रामी केरासिया की मदद से वृद्ध की लाश उतारी और उसे पत्थर व कचरा इत्यादि से ढंग दिया जिसके बाद रामी केरासिया के आत्महत्या की साजिश रची गई

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विद्युत कार्य

निविदा आमंत्रित नोटिस सं. EL/50/1/25 (24-25) Date: 10/10/2024 भारत के राष्ट्रपति के लिए और की ओर से, मंडल रेल प्रबंधक (विध्युत पावर) पश्चिम रेलवे वडोदरा मंडल भारतीय रेल की वेब साईट www.ireps.gov.in पर निम्नलिखित कार्य के लिये अनुभवी तथा विश्वसनीय संविदाकारों से ई निविदा आमंत्रित करती है। **निविदा सं :** BRC-EL-P-12-2202-24-25-R **कार्य का नाम :** प्रतापनगर (WS).. प्रतापनगर कार्यशाला में प्रीकास्ट / आरसीसी केबल ट्रेंच और विद्युत अवसंरचना के सुधार से संबंधित विद्युत कार्य **अनुमानित लागत :** ₹25,87,809.00 **इएमडी :** ₹51,800.00 **निविदा शुल्क :** NIL **इ-निविदा बंद करने की तिथि :** 04/11/2024 **वेब साईट विवरण :** www.ireps.gov.in 203

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

सहायक ट्रांसफार्मर और केबलिंग गतिविधि

निविदा सूचना सं : EL/TRD/Tender/24-25/09R भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) वडॉदरा द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये मुहाबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं : EL/TRD/Tender/24-25/09R कार्य का नाम :** वडोदरा डिवीजन के वडोदरा परिधि में 25 केवीए सहायक ट्रांसफार्मर और केबलिंग गतिविधि का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रु) :** ₹27,71,380/ **बोली प्रतिभूति (रु) :** ₹55,400/- **निविदा की राशि एवं कार्य समापन की अवधि :** कार्य समापन की अवधी 09 माह **निविदा की समय सारणी :** निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय 11/11/2024 को 15:00 बजे **वेबसाइट विवरण और सूचना का लोकेशन जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता विवरण जानकारी के लिये :** मंडल रेल प्रबंधक (कर्षण वितरण) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - ३९० ००४ **वेबसाइट विवरण :** www.ireps.gov.in 201

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वड़ोदरा मण्डल

"पे एंड यूज" अनुबंधों के लिए ई-नीलामी

उपरोक्त के संदर्भ में "पे एंड यूज" अनुबंधों के लिए ई-नीलामी 21.10.2024 को आयोजित की जाएगी। ई-नीलामी दिनांक 21.10.2024 को 11:00 बजे शुरू होगी। सूची पहले ही www.ireps.gov.in वेबसाइट पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत हैं:

कैटलॉग संख्या	अनुबंध के प्रकार	लॉट संख्या	अनुबंध की अवधि
C331-PnU -211024	पे एंड यूज	Pnu-Bars-CYI-Toi-8-24-1 (पे एंड यूज - शौचालय) छायापुरी रेलवे स्टेशन	03 वर्ष

200

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96